पटना ●सोमवार , 7 अप्रैल 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः89 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

दैनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मातृ ... 3 www. bordernewsmirror.com 51 साल की मलाइका अरोड़ा... 7

श्रीलंका में भारत का मास्टर स्ट्रोक, कर दिया 'खेला'

● चीन की चाल करेगा नाकाम, यूएई संग मिलाया हाथ

कोलंबो (एजेंसी)। भारत ने एक बार फिर इंडियन ओशन में अपना कूटनीतिक खेल दिखाया है। इस बार श्रीलंका में चीन की पकड़ को कमजोर करने के लिए भारत ने मास्टरस्ट्रोक चला है। दलअसल श्रीलंका के त्रिंकोमाली शहर में भारत, यूएई और श्रीलंका के बीच एक बड़े ऊर्जा हब को बनाने का ऐलान हुआ है। यह कदम न सिर्फ तीन देशों के आपसी सहयोग को मजबूती

देगा बल्कि चीन की अरबों डॉलर की परियोजनाओं को चुनौती भी देगा। शनिवार को कोलंबो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक यात्रा के दौरान यह समझौता हुआ। मोदी का यह दौरा श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के सत्ता में आने के बाद पहला दौरा था। इस मौके पर त्रिपक्षीय समझौता किया गया जिसे भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री, श्रीलंका के ऊर्जा सचिव प्रो. केटीएम उदयंगा हेमपाला और यूएई के प्रतिनिधियों ने साइन किया। दरअसल त्रिंकोमाली एक प्राकृतिक डीप-वॉटर हार्बर है और रणनीतिक रूप से बेहद अहम माना जाता है, यह अब ऊर्जा हब बनने जा रहा है।

इस्लाम ही नहीं, संविधान को भी लहूलुहान करने वाला है

● वक्फ बिल पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड सख्त, करेगा प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने संसद में पास हुए हालिया वक्फ संशोधनों को इस्लाम, शरीअत, धार्मिक और संस्कृति की आजादी के साथ-साथ देश के सेक्युलर ढांचे पर एक बड़ा हमला बताया है। बोर्ड का कहना है कि इन संशोधनों से सिर्फ मुस्लिम समाज की धार्मिक और सांस्कृतिक आजादी पर

चोट नहीं की गई, बल्कि भारतीय संविधान की आत्मा को भी लहूलुहान किया गया है। बोर्ड ने सख्त लहजे में कहा कि कुछ कथित सेक्युलर पार्टियों का साथ मिल कर भारतीय जनता पार्टी की फिरकापरस्त राजनीति करना बेहद अफसोसनाक है। इससे उनकी असलियत भी सामने आ गई है। बोर्ड का कहना है कि इन पार्टियों ने अपने वोटबैंक की खातिर सेक्युलरिज्म की नकाब ओढ़ी हुई थी, जो अब उतर चुकी है। बोर्ड ने ऐलान किया है कि वो इन संशोधनों के खिलाफ देशभर में एक पुरजोर मुहिम चलाएगा। ये मुहिम धार्मिक, समाजित और राजनीति पहलुओं के साथ मिलकर चलाई जाएगी और तब तक जारी रहेगी जब तक इन कानूनों को पूरी तरह से वापस नहीं लिया जाता।

किसान नेता डल्लेवाल का 131 दिन बाद अनशन खत्म

● फतेहगढ़ साहिब में किसान महापंचायत में ऐलान, बोले-किसानों की अपील पर किया

खन्ना (एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा (नॉन पॉलिटिकल) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने 131 दिन बाद आमरण अनशन खत्म कर दिया है। रविवार को फतेहगढ़ साहिब की सरहिंद अनाज मंडी में किसान महापंचायत में उन्होंने इसका ऐलान किया। डल्लेवाल ने

कहा कि किसानों की मांग पर आमरण अनशन खत्म किया है। काफी समय से किसान उन्हें अनशन तोड़ने की अपील कर रहे थे। डल्लेवाल ने न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत अन्य मांगों को लेकर 26 नवंबर 2024 को अनशन शुरू किया था। 19 मार्च को पंजाब पुलिस ने जगजीत सिंह डल्लेवाल, सरवण सिंह पंधेर समेत अन्य किसानों को हिरासत में लेकर खनौरी और शंभू बॉर्डर खाली करा लिए थे। पुलिस ने डल्लेवाल को पटियाला के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया था। 3 अप्रैल को उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिली थी। 19 मार्च को चंडीगढ़ में आंदोलनकारी संगठन किसान मजदूर मोर्चा और संयुक्त किसान मोर्चा (नॉन पॉलिटिकल) के नेताओं की केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, पीयूष गोयल और प्रह्लाद जोशी से मीटिंग हुई थी। 4 घंटे चले मीटिंग में कोई हल नहीं निकला। 4 मई को दोबारा वार्ता करने पर सहमति बनी।

रामनवमी पर रामलता का हुआ भव्य 'सूर्य' तिलक

दिखा अद्भुत नजारा, दुल्हन सी सजी अयोध्या

अयोध्या (एजेंसी)। प्रभु श्रीराम जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर अवधपुरी एक बार फिर उन क्षणों की स्मृतियां को जीवंत हुईं, जब श्रीरामलला अपने मनमोहक बाल स्वरूप में भव्य मंदिर में विराजमान हुए। इस मौके पर रविवार को प्रभु को श्रृंगार किया गया। साथ ही भगवान भास्कर द्वारा प्रभु के तेजस्वी ललाट पर सूर्य तिलक का अलौकिक दृश्य भी रामभक्तों को देखने को मिला। इस सूर्य तिलक

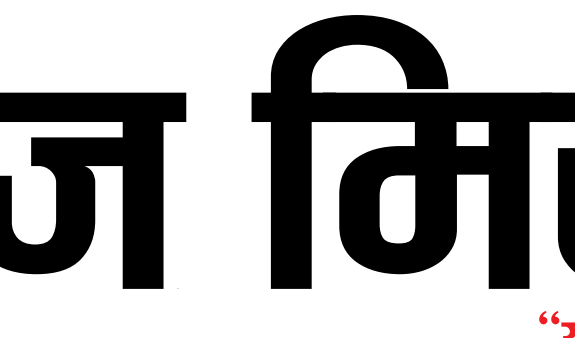

भए प्रगट कृपाला दीनदयाला! हर ओर रही गूंज

के साथ ही पूरे सालभर तक भगवान राम का सूर्याभिषेक किया जाएगा। सूर्य तिलक के बाद रामलला की आरती की गई। सूर्य तिलक से पहले कुछ देर के लिए रामलला के पट बंद किए गए थे और गर्भगृह की लाइट बंद कर दी गई। रामलला के सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के पाइप से सिस्टम बनाया गया है। इसमें 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भ गृह तक रामलला के मस्तक पर किरणें पहुंचाई गईं। अब तक 5 लाख श्रद्धालु अयोध्या पहुंच चुके हैं। राम जन्मभूमि परिसर में लंबी लाइनें लगी हैं। राम मंदिर के बाहर एक किमी की लाइन लगी है। इससे पहले, सुबह 9.30 बजे रामलला को पंचामृत से स्नान कराके श्रृंगार किया गया। रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन पर हाउसफुल जैसे हालात हैं। गर्मी को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए रेड कारपेट बिछवाई गई है।

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद वक्फ बिल बन गया कानून

● लागू होने की तारीख केंद्र तय करेगा, मुस्लिम संगठनों का विरोध, सुप्रीम कोर्ट में मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वक्फ (संशोधन) बिल को शनिवार देर शाम मंजूरी दे दी। सरकार ने नए कानून को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी किया। अब नए कानून को लागू करने की तारीख को लेकर केंद्र सरकार अलग से एक नोटिफिकेशन जारी करेगी। यह बिल (अब कानून) पर 2 अप्रैल को लोकसभा और 3 अप्रैल को राज्यसभा में 12-12 घंटे की चर्चा के बाद पास हुआ था। नए कानून को लेकर कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद,एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और एएपी विधायक अमानतुल्लाह खान ने अलग-अलग याचिकाओं में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

इन याचिकाओं में कहा गया है कि वक्फ संशोधन एक्ट मुस्लिम कम्युनिटी के साथ भेदभाव करता है। यह एक्ट मुसलमानों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन भी करता है। इस पर केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि इस कानून का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों में हो रहे पक्षपात, दुरुपयोग और अतिक्रमण को रोकना है। इस बिल (अब कानून) को राज्यसभा में 128 सदस्यों ने समर्थन दिया था, जबकि 95 ने इसका विरोध किया।

पीएम मोदी ने रामेश्वरम में किया नए पम्बन ब्रिज का उद्घाटन

यह एशिया का पहला वर्टिकल लिफ्ट रेलवे ब्रिज, इंजीनियरिंग का कमाल

रामेश्वरम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एशिया के पहले वर्टिकल लिफ्ट स्पैन रेलवे ब्रिज (नए पम्बन ब्रिज) का उद्घाटन किया। 2.08 किमी लंबे ब्रिज की नींव नवंबर 2019 में

● 5 मिनट में 22 मीटर ऊपर उठेगा, 2019 में पीएम मोदी ने रखी थी नींव

मोदी ने ही रखी थी। भाषा विवाद के कारण तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन कार्यक्रम में नहीं आए। ब्रिज रामेश्वरम (पम्बन द्वीप) को भारत की मुख्य भूमि तमिलनाडु के मंडपम से जोड़ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने ही नवंबर, 2019 में इसकी नींव रखी थी। भविष्य को ध्यान में रखते हुए इसे डबल ट्रैक और हाई-स्पीड ट्रेनों के लिए डिजाइन किया गया है। स्टील से बने नए ब्रिज पर पॉलीसिलोक्सेन कोटिंग की गई है, जो इसे जंग और समुद्र के नमकीन पानी से बचाएगी। पुराना पुल 2022 में जंग लगने की वजह से बंद कर दिया गया था। इसके बाद से रामेश्वम और मंडपम के बीच रेल कनेक्टिविटी खत्म हो गई थी। रामायण के अनुसार, रामसेतु का निर्माण रामेश्वरम के पास धनुषकोडी से शुरू हुआ था।

इस वजह से ये आस्था के नजरिए से भी महत्वपूर्ण है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में 8300 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत के विभिन्न रेल और सड़क प्रोजेक्ट का शिलान्यास और उद्घाटन किया। नया पम्बन ब्रिज 100 स्पैन यानी हिस्सों से मिलकर बनाया गया है। जब समुद्री जहाज को निकलना होता है तो इस नेविगेशन ब्रिज (समुद्री जहाजों के लिए खुलने वाले ब्रिज) का सेंटर स्पैन (बीच वाला हिस्सा) ऊपर उठ जाता है। यह इलेक्ट्रो-मैकेनिकल सिस्टम पर काम करता है। इस वजह से इसका सेंटर स्पैन सिर्फ 5 मिनट में 22 मीटर तक ऊपर उठ सकता है। इसके लिए सिर्फ एक आदमी की जरूरत होगी। वहीं, पुराना पुल कैंटिलीवर पुल था। इसे लीवर के जरिए मैन्युअली खोला जाता था, जिसमें 14 लोगों की जरूरत होती थी। हालांकि समुद्री हवा की गति 58 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा हो जाने पर वर्टिकल सिस्टम काम नहीं करेगा।

भाषा विवाद के बीच पीएम का तमिलनाडु सरकार पर निशाना

● बोले-मेडिकल की पढ़ाई तमिल भाषा में कराएं, स्टालिन रिसीव करने नहीं पहुंचे

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केंद्र सरकार के बीच नई शिक्षा नीति और ट्रायलैंग्वेज को लेकर विवाद चल रहा है। इस बीच प्रधानमंत्री मोदी रविवार को रामेश्वरम पहुंचे। इस दौरान सीएम स्टालिन उन्हें रिसीव करने नहीं पहुंचे। जनसभा के दौरान उन्होंने भाषा विवाद का जिक्र किए बिना डीएमके नेताओं और सीएम एमके स्टालिन को नसीहत दे दी। पीएम ने कहा- मैं राज्य सरकार से मांग करता हूं कि वे डॉक्टरी की पढ़ाई तमिल भाषा में कराएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु के कई नेताओं की चिट्ठियां मेरे पास आती हैं। आश्चर्य की बात है कि कोई नेता तमिल में सिग्नेचर नहीं करता।

बंगाल में रामनवमी पर बीजेपी का 'शक्ति प्रदर्शन'

भगवा हो गई ममता के राज्य की सड़कें, ड्रोन से निगरानी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में रविवार सुबह ही रामनवमी का पर्व शोभायात्राओं और जय श्री राम के नारों के साथ शुरू हो गया। इस दौरान लाखों श्रद्धालु सड़कों पर उमड़ पड़े। रामनवमी पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सुबह से ही सड़कों पर उत्सव का माहौल दिखाई दिया। भगवा रंग के झंडे, भक्ति संगीत और रामायण के दृश्यों को दिखाने वाली झांकियां निकाली जा रही हैं। अकेले कोलकाता में 60 से ज्यादा शोभायात्राएं आयोजित करने का कार्यक्रम है, जिसके लिए लगभग 4,000 से 5,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। उप आयुक्त और संयुक्त आयुक्त रैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को शोभायात्राओं के रास्तों पर सुरक्षा की निगरानी का काम

सौंपा गया है। बीजेपी की राज्य इकाई के प्रमुख सुकांत मजूमदार ने कहा,रामनवमी पर आयोजित अनेक कार्यक्रमों में लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। मैं राज्य सरकार से आग्रह करूंगा कि वह व्यवस्था करे ताकि शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाया जा सके। समारोह को जबरन रोकने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। रामनवमी का जश्न मनाया जाएगा, चाहे कुछ भी कर लो।

देश में 'यूसीसी' की अब सख्त जरूरत

सरकार से बोला हाई कोर्ट-कानून बनाओ

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने संसद और राज्य विधानसभाओं से अनुरोध किया है कि वे यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) पर कानून बनाने की कोशिश करें। इससे भारत के संविधान की प्रस्तावना के सिद्धांतों के उद्देश्य को सही मायने में हासिल किया जा सके। जस्टिस हंचते संजीव कुमार की अध्यक्षता वाली सिंगल जज की बेंच ने एक मृतक मुस्लिम महिला शहनाज बेगम के भाई-बहनों और पति के बीच संपत्ति विवाद से जुड़ी एक दीवानी अपील पर फैसला सुनाते हुए यह सिफारिश की। कोर्ट ने कहा, देश को व्यक्तिगत कानूनों और धर्म के संबंध में यूनिफॉर्म सिविल कोड की आवश्यकता है, तभी भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 का उद्देश्य प्राप्त होगा। इस मामले ने व्यक्तिगत धार्मिक कानूनों द्वारा शासित उत्तराधिकार कानूनों और लैंगिक न्याय पर सवाल उठाए। जस्टिस कुमार ने जोर देकर कहा कि संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत समान नागरिक संहिता का अधिनियमन प्रस्तावना में निहित आदर्शों-अर्थात न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और राष्ट्रीय एकता को पूरा करेगा। कोर्ट ने कहा, देश को व्यक्तिगत कानूनों और धर्म के संबंध में यूनिफॉर्म सिविल कोड की आवश्यकता है, तभी भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 का उद्देश्य प्राप्त होगा। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि यद्यपि भारत भर में महिलाएं संविधान के तहत समान नागरिक हैं।

अब ईसाइयों की जमीन पर है आरएसएस की नजर

वक्फ बिल पास होने के बाद राहुल गांधी का गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नजर वक्फ के बाद अब ईसाई समुदाय की भूमि पर पड़ गई है। उन्होंने इस बात

पर भी जोर दिया कि संविधान रूपी ढाल से ही सबकी रक्षा की जा सकती है। राहुल गांधी में संघ समर्थक पत्रिका ऑर्गनाइजर के एक लेख पर आधारित खबर का स्क्रीनशॉट साझा किया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मैंने कहा था कि वक्फ विधेयक अभी मुसलमानों पर हमला करता है लेकिन भविष्य में अन्य समुदायों को निशाना बनाने की मिसाल बनेगा। संघ को ईसाइयों की ओर अपना ध्यान ले जाने में देर नहीं लगी।' राहुल गांधी ने कहा, संविधान ही एकमात्र ढाल है जो हमारे लोगों को ऐसे हमलों से बचाता है और इसकी रक्षा करना हमारा सामूहिक कर्तव्य है। कांग्रेस नेता ने जिस लेख का हवाला दिया, अब ऑनलाइन उपलब्ध नहीं है। खबर के अनुसार, ऑर्गनाइजर के लेख में वक्फ से तुलना करते हुए कहा गया कि कैथोलिक चर्च और उसके संस्थानों के पास लगभग सात करोड़ हेक्टेयर भूमि है। मालूम हो कि वक्फ संशोधन विधेयक भारत सरकार की ओर से प्रस्तावित एक कानून है, जिसका उद्देश्य 1995 के वक्फ अधिनियम में संशोधन करना है।

तमिलनाडु में एआईएडीएमके के साथ होगा बीजेपी का गठबंधन!

अमित शाह के दौरे से पहले अटकलें हुई तेज, राज्य इकाई का भी दबाव

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी और एआईएडीएमके के बीच फिर से गठबंधन की अटकलें तेज हो रही हैं। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस महीने के अंत में तमिलनाडु का दौरा करेंगे। अमित शाह का यह दौरा आगामी बिहार चुनावों और पश्चिम बंगाल के 2026 में होने वाले चुनावों से पहले की रणनीति के तहत तय किया गया है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि गृह मंत्री एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। मार्च में एआईएडीएमके नेता एदप्पादी के पलानीस्वामी ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की थी, जिससे यह अटकलें तेज हो गईं कि दोनों पुराने सहयोगी विधानसभा चुनावों से पहले एक बार फिर गठबंधन कर सकते हैं और द्रविड़ मुनेत्र कझगम (डीएमके) के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा बना सकते हैं। एक सूत्र ने कहा,उनकी मुलाकात संघ विचारक एस गुरुमूर्ति और कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं से भी हुई, लेकिन क्या एआईएडीएमके नेताओं से बातचीत हो रही है, इस पर कोई टिप्पणी नहीं की गई। राज्य के कुछ नेताओं ने केंद्रीय नेतृत्व पर दबाव डाला है कि वह एआईएडीएमके के साथ फिर से गठबंधन करें, जिससे पार्टी को राज्य में अपनी पकड़ बढ़ाने और एंटी-डीएमके भावना का लाभ उठाने का मौका मिलेगा। एक पार्टी कार्यकर्ता ने कहा,दोनों दलों के नेताओं के बीच गठबंधन की संभावना को लेकर कई दौर की बातचीत हो चुकी है। हमें उम्मीद है कि राज्य में संगठनात्मक फेरबदल के बाद इस बारे में जल्द ही कोई घोषणा की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष के पद से के. अन्नामलाई के इस्तीफे के बाद सबकी नजरें इस बात पर हैं कि पार्टी किसे उनका उत्तराधिकारी चुनेगी।

शाह का बिहार और पश्चिम बंगाल दौरा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की आगामी यात्रा में बिहार का होने वाला है। प्रदेश के एक नेता ने बताया, मार्च में अपनी पिछली यात्रा के दौरान अमित शाह ने राज्य के कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और पार्टी की स्थिति के बारे में जानकारी ली थी। आगामी दो दिवसीय यात्रा के दौरान मंत्री चुनावी रणनीति के लिए दिशा-निर्देश देंगे। पश्चिम बंगाल का दौरा भी जल्द घोषित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं को सशक्त करना और आगामी चुनावी अभियान की रणनीति तय करना है। शुक्रवार को भाजपा के सांसदों ने राज्य में शिक्षक भर्ती में गड़बड़ी और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का मुद्दा उठाया था।

संक्षिप्त समाचार

झांकी में समाज की कुरीतियों को समाप्त करने की दिखी झलक

पटना, एजेंसी। डीएवी पब्लिक स्कूल बीएसईबी कॉलोनी में आयोजित चरित्र निर्माण शिविर के तीसरे दिन शनिवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इसमें स्वामी दयानंद सरस्वती के जीवन मूल्यों, आर्य समाज के आदर्श एवं मानवता से परिपूर्ण सामाजिक कुरीतियों की समाप्त करने वाली मनमोहक झांकी प्रस्तुत की गई। यात्रा डीएवी बीएसईबी से निकलकर बोर्ड कॉलोनी, राजवंशी नगर, शास्त्री नगर से होते हुए संजय गांधी जैविक उद्यान से गुजरते हुए हनुमान मंदिर से होकर स्कूल तक पहुंची। गाजे बाजे, रथ घोड़ा से युक्त इस शोभा यात्रा का नेतृत्व सिक्किम और मेघालय के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने की। इस शोभा यात्रा में डीएवी पब्लिक स्कूल बिहार प्रक्षेत्र- पटना, बेगूसराय, भागलपुर और बक्सर के 79 स्कूलों से आए लगभग 1200 बच्चे, 500 शिक्षकगण, भारत के कोने-कोने से आए योग साधक, तपस्वी, सन्यासी, धर्माचार्य, उपदेशक, भजनोपदेशक, विद्वान जन, डीएवी स्कूलों के क्षेत्रीय अधिकारी और प्राचार्य शामिल हुए है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रातः कालीन योगाभ्यास और 51 कुंडीय महायज्ञ के साथ हुई। इस मौके पर कक्ष सज्जा, वैदिक प्रश्नोत्तरी, नुक्कड़ नाटक, डायरी लेखन समेत अन्य प्रतियोगिताएं बच्चों के बीच आयोजित की गई। सभी विजेताओं के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि उपसभा बिहार के प्रधान और कार्यक्रम के आयोजक एस के झा, संयोजक और मेजबान प्राचार्य एसी झा, आईएएस मनोज कुमार, डॉ. अनुपमा कुमारी, बीके चौधरी समेत अन्य मौजूद रहे।

जगजीवन राम की मनाई जयंती

भागलपुर, एजेंसी। कॉलेज रोड स्थित काली मंदिर के प्रांगण में शनिवार को पूर्व प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष रघुनंदन सिंह केसरी की अध्यक्षता में पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबू जगजीवन राम की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेसियों ने उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें याद किया। कांग्रेसियों ने कहा कि बाबू जगजीवन राम अत्यंत विनम्र और सुसभ्य व्यक्ति थे। उन्होंने गरीब बेसहारा लोगों की मदद करने में कभी कोताही नहीं बरती।

बिहार बदलाव रैली में सारण से पैंतीस हजार लोग होंगे शामिल

छपरा, एजेंसी। आगामी 11 अप्रैल को पटना के गांधी मैदान में आयोजित बिहार बदलाव रैली में सारण से पैंतीस हजार से अधिक लोग शामिल होंगे। उक्त बातें शुक्रवार को जन सुराज के मुख्य प्रवक्ता कुलदीप महासेठ ने यहा पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि इस रैली को सफल बनाने के लिए जन सुराज के राज्य परिषद के नेताओ से लेकर जिला, प्रखंड एव पंचायत स्तर के तमाम पदाधिकारी व कार्यकर्ता आमलोगों से मिलकर उन्हें इस रैली में शामिल होने का नेवता दे रहे हैं और पार्टी को लोगों का अपार समर्थन भी मिल रहा है। इस दौरान जिला प्रभारी उर्मिला सिंह ने कहा कि संगठन का प्रयास रहेगा कि उक्त रैली में सारण जिला से लोगों की भागीदारी सबसे अधिक हो। उन्होंने बताया कि यह बिहार बदलाव रैली उनलोगों के लिए है जो बिहार में बदलाव देखना चाहते हैं।

देश में छात्रों, बेरोजगारों और पीड़ितों की आवाज सबसे पहले राहुल गांधी उठाते हैः वरुण चौधरी

बेगूसराय, एजेंसी। कांग्रेस के छात्र विंग एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा है कि मैं दावे के साथ कर सकता हूं कि देश में छात्रों, बेरोजगारों और पीड़ितों की आवाज सबसे पहले कोई उठाता है तो वह राहुल गांधी है। राहुल गांधी न केवल इन लोगों की आवाज उठाते हैं, बल्कि उसे संसद तक पहुंचाते हैं। लेकिन सरकार इतनी अन डेमोक्रेटिक हो गई है कि सुनती नहीं है। सरकार अंधी और बहरी हो गई है।

उन्होंने यह बातें एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी और जेएनयू के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार की पलायन रोको-नौकरी दो पदयात्रा के साथ रात में बेगूसराय पहुंचने पर पत्रकारों से बात करते हुए कही। वरुण चौधरी ने कहा कि देश में छात्रों की हालत बदतर है, पूरे दुनिया में सबसे युवा देश भारत है। केंद्र की सरकार और बिहार की राज्य सरकार अपने आप में मगन है, पेपर लीक जैसी घटनाएं हो रही है। बिहार की बात करें तो पूरे हिंदुस्तान में जो 15 बेस्ट डॉक्टर होंगे, उसमें 10 बिहार के होंगे। देश 10 सबसे अच्छे अधिकारी होंगे उसमें सबसे बेहतर 5 बिहार के होंगे। बिहार का अपना एक टैलेंट है, लेकिन बिहार की सरकार अपने टैलेंट को खराब कर रही है। अभी बीपीएससी का मुद्दा हुआ, सभी पेपर लीक की घटना आ रही है। सरकार इन मुद्दों और पेपर लीक से मुक्ति दिलाने के बदले पेपर लीक में सरकार खुद शामिल है, माफिया को संरक्षण दे रही है।

पलायन कर रहे हैं छात्र और नौजवान

उन्होंने कहा कि बेरोजगारों की हालात बिहार में बदतर है। बिहार के युवा, छात्र, महिलाएं और बेटियां बिहार छोड़ने के लिए मजबूर हैं। वह देश के विभिन्न शहरों में पलायन कर रहे हैं। पदयात्रा के दौरान 12वीं पास छात्रा मिली, मैंने पूछा क्या बनना चाहती हो तो उसने कहा यूपीएससी की तैयारी करना चाहते हैं। हमने जब पूछा कहां तैयारी करोगी तो कहां तो बोली दिल्ली या किसी जगहों पर जाकर यूपीएससी की तैयारी करुंगा। मैंने पूछा कि पटना या बिहार के अन्य शहर में क्यों नहीं, तो उनमें संकोच पैदा हो गया। सरकार बात नहीं सुन रही है, इसलिए छात्र और नौजवान पलायन कर रहे हैं। पहले सरकार किसी भी पार्टी के छात्र और युवाओं के मुद्दे का समर्थन करती थी। लेकिन अभी की सरकार छात्रों के प्रतिभा की बार-बार हत्या कर रही है, क्योंकि पेपर लीक जैसी जो घटना है। अग्निवीर स्कीम आने के बाद डेढ़ पौने दो लाख पेंडिंग भर्ती थी। उन पेंडिंग भर्ती के मुद्दों को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर तक धरना दिया गया। हमने बीपीएससी के छात्रों की हालत देखी, उन पर बर्बरता से लाठी चार्ज किया गया, वाटर कैनन चला। वह देख बिहार के किसी भी लोग को दर्द होगा तो सड़क पर आने के लिए तैयार होगा। इसी को लेकर कन्हैया कुमार ने पलायन रोको नौकरी दो यात्रा शुरू की है। राहुल गांधी भी इस यात्रा में शामिल होने आ रहे हैं। राहुल गांधी हमेशा सोच छात्रों-नौजवानों रखते हैं।

राहुल गांधी उठाते हैं छात्रों-युवाओं की बात

वरुण चौधरी ने कहा कि मैं चैलेंज देकर कह रहा हूं कि पूरे देश में छात्रों-युवाओं की बात कोई उठाता है तो राहुल गांधी। पेपर लीक मुद्दा हो, नीट का मुद्दा हो, स्कॉलरशिप का मुद्दा हो, एससी-ओबीसी फेलोशिप का मुद्दा हो, सभी मुद्दों को राहुल गांधी ने सबसे पहले उठाया। उन्होंने उनकी बात सुनी और संसद तक उठाया। उन्होंने देखा कि पलायन रोको-नौकरी दो पदयात्रा गंभीर मुद्दों को लेकर चल रही है तो वह भी शामिल होने आ रहे हैं। क्योंकि सरकार अन डेमोक्रेटिक टाइप की सरकार बन चुकी है, इसलिए हमने यात्रा निकाली। सरकार ने अपनी आंख बंद कर लिया, कान बंद कर लिए हैं। ऐसे तरीके की सरकार हमने अपने जीवन में कभी नहीं देखा, उनकी आंख और कान खोलने के लिए राहुल गांधी आ रहे हैं। पेपर लीक से बच्चे परेशान हैं, नौकरी के लिए परेशान हैं, महंगी शिक्षा से परेशान हैं, एससी-ओबीसी की सीट कम की जा रही है। जानबूझकर नौकरी को कम किया जा रहा है, वह चाहते हैं कि तीन बार कैंसिल कर देंगे थे वह सीट जनरल हो जाएगी, इसका प्रयास कम कर रहे हैं। बिहार के छात्र पलायन कर चुके हैं, वह दूसरे प्रदेश जा चुका है।

अपनी भूख मिटाने के लिए रोजगार खोज रहे हैं, लेकिन बिहार और देश की सरकार युवाओं को नजर अंदाज कर रही है। इस यात्रा के बाद सरकार की आंख और कान खुलेगी, वह छात्रों-बेरोजगारों के मुद्दे पर ध्यान देंगे। इस यात्रा से पहले कांग्रेस ने देशभर में यात्रा की थी, अब हमें लगा कि सभी पेपर का सेंटर बिहार बनता जा रहा है तो इसी उद्देश्य है यह यात्रा शुरू हुई है। यह पदयात्रा बिहार के छात्रों और नौजवानों की यात्रा है। एनएसयूआई और युवा कांग्रेस ने इसमें सहयोग किया। यह उन छात्रों की यात्रा है जो नौकरी के लिए कई साल से भटक रहे हैं। इस यात्रा का फायदा उन्हें जरूर मिलेगा।

बारिश के साथ ओले भी गिरेंगे, बिहार में आज से बदलेगा मौसम

पटना, एजेंसी। बिहार में एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग ने पटना समेत प्रदेश के अन्य हिस्सों में 7 से 11 अप्रैल तक बारिश की संभावना जताई है। सोमवार से अगले दो दिनों तक तेज हवाओं के साथ गरज-तड़क और कुछ जगहों पर ओले गिरने की भी आशंका है। मौसम विभाग ने इसे लेकर चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक विभिन्न घटकों और पूर्वी हवा का सक्रिय प्रवाह होने के चलते बिहार में आद्रता में बढ़ोतरी हुई है। इस कारण मौसम का मिजाज में बदलाव के आसार हैं। उत्तर मध्य और उत्तर पूर्व बिहार के अधिकांश जिलों में 10 से 30 मिलीमीटर तक बारिश की संभावना है।

इन जिलों में ओले गिरने की आशंका है

मौसम विभाग ने किशनगंज, अररिया, सुपौल, पूर्णिया, दरभंगा और मधुबनी जिले में एक-दो जगहों पर ओलावृष्टि की आशंका जताई है। वहीं, सतही हवा की गति 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक जा सकती है। ऐसे में लोगों को खराब मौसम में सतर्क रहने को कहा गया है। मौसम विभाग के अनुसार अगले सप्ताह प्रदेश में बादल छाए रहने और बारिश की संभावना के बीच अधिकतम तापमान में गिरावट आने और न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी के आसार हैं। शनिवार को प्रदेश का सबसे ठंडा शहर 16.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सीतामढ़ी का पुपरी रहा, वहीं सबसे गर्म शहर 39.8 डिग्री सेल्सियस के साथ रोहतास का डेहरी रहा। पटना में अधिकतम तापमान 39 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। बीते दो दिनों में राजधानी के लोगों को भीषण गर्मी का एहसास हो रहा है।

चिराग पासवान से पशुपति पारस ने खगड़िया से दिल्ली तक बंटवारा मांगा, संपत्ति विवाद गहराया

पटना, एजेंसी। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के संस्थापक दिवंगत रामविलास पासवान के परिवार का विवाद गहराता जा रहा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने अपने भतीजे चिराग पासवान से अब बिहार के खगड़िया स्थित पैतृक घर से लेकर दिल्ली तक प्रॉपर्टी का बंटवारा करने की मांग कर दी है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान पर उनके पिता के सपनों को तोड़ने का आरोप भी लगाया। चिराग की पार्टी लोजपा (रामविलास) के संसद में वक्फ बिल पर समर्थन करने पर यह बात कही। पासवान परिवार में संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा है। दिवंगत रामविलास की पहली पत्नी एवं चिराग की बड़ी मां राजकुमारी देवी ने अपनी दो देवरानियों के खिलाफ पिछले दिनों एफआईआर दर्ज कराई। इसमें पशुपति पारस की पत्नी शोभा देवी और दिवंगत सांसद रामचंद्र पासवान की पत्नी सुनैना देवी पर उन्हें संपत्ति से बेदखल करने का आरोप लगाया था। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शनिवार को अपनी बड़ी मां से खगड़िया जिले के शहरबन्नी स्थित पैतृक गांव जाकर मुलाकात की। दूसरी ओर, राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के मुखिया एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने दरभंगा में शनिवार को संपत्ति विवाद पर अपना पक्ष रखा। उन्होंने आशंका जताई कि राजकुमारी देवी को भड़काकर यह एफआईआर दर्ज कराई गई। पारस ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि थाने में जो शिकायत हुई, उसमें राजकुमारी देवी का अंगूठा लगा था। वह पढ़ी लिखी नहीं हैं। यह जांच का विषय है कि उनका अंगूठा किसने लगवाया। पारस ने आगे कहा कि वे भी संपत्ति का बंटवारा चाहते हैं। पैतृक घर से लेकर दिल्ली तक बंटवारा होना चाहिए। हालांकि, भतीजे चिराग पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह सब राजनीतिक साजिश के तहत हो रहा है। कुछ ही दिनों में सब कुछ साफ हो जाएगा।

चिराग बोले- चाचा ने अपनी प्रॉपर्टी छिपा रखी है

अपनी बड़ी मां से मिलने पैतृक गांव पहुंचे चिराग पासवान ने आरोप लगाया कि उनके चाचा पशुपति पारस ने उनकी कई संपत्तियों को छिपा कर रखा हुआ है। इसकी जानकारी नहीं दी गई है। चिराग ने कहा कि लोजपा को तोड़ने का फैसला भी पारस का था। अगर वह बंटवारा चाहते हैं तो खुद पहल करें। पहले अपनी संपत्तियों की जानकारी दें। जो वे चाहते हैं वैसा ही होगा।

18 अधिवक्ताओं ने किया नामांकन

सहरसा, एजेंसी। 26 अप्रैल को होने वाले जिला विधि वेत्ता संघ के द्विवार्षिक चुनाव के लिए 5 अप्रैल तक 18 अधिवक्ता अभ्यर्थियों ने नामांकन किया। जिसमे उपाध्यक्ष पद के लिए केशव कुमार श्रीवास्तव अमरेंद्र कुमार त्रिवेदी एवं लीलाधर शर्मा संयुक्त सचिव पद के लिए संजीव कुमार लालमोहर यादव आनंद सिंह ठाकुर सहायक सचिव के लिए देवेंद्र कुमार कोषाध्यक्ष के लिए मनोज कुमार अंकेक्षक रामकुमार साह वरीय कार्यकारिणी सदस्य देवनंदन प्रसाद राजीव रंजन कुमार सिंह अमरेंद्र कुमार नरेश कुमार गुप्ता कार्यकारिणी सदस्य के लिए नीरज कुमार सिंह प्रेम रंजन कुमार विजय लता एवं निगरानी सदस्य के लिए योग नंदन यादव मनोज कुमार सिंह प्रधान ने अपनी उम्मीदवारी दी है। यह जानकारी कार्यालय प्रभारी चंदन कुमार पिंटू ने दी ।

पीएमसीएच से दुष्कर्म का आरोपी फरार, 5 पुलिसकर्मियों को थमाया नोटिस

छपरा, एजेंसी। सारण में कानून व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। गरखा थाना पुलिस की लापरवाही से दुष्कर्म का एक आरोपी पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया। यह घटना छपरा जेल से एक कैदी के फरार होने के एक सप्ताह के भीतर हुई है।

दुष्कर्म का आरोपी पुलिस अभिरक्षा से फरार : गरखा थाना क्षेत्र में दर्ज प्राथमिकी (कांड संख्या-511/24) के आरोपी धनंजय सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। प्राथमिक उपचार के बाद उसे पटना के पीएमसीएच में भर्ती कराया गया। वहां पुलिस की निगरानी में उसका इलाज चल रहा था। 5 अप्रैल 2025 को धनंजय सिंह ने इलाज के दौरान पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।

एसएसपी सख्त, पुलिसकर्मियों को थमाया नोटिस : सारण के एसएसपी ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने गरखा थाना के पांच पुलिसकर्मियों से स्पष्टीकरण मांगा है। इनमें पुलिस निरीक्षक नवीन कुमार, सहायक निरीक्षक अजय कुमार प्रजापति, दफादार राम बढ़ई राय और दो चौकीदार शामिल हैं।

लगातार दो कैदी फरार, उठे सवाल : पिछले एक सप्ताह में लगातार दो कैदियों के फरार होने से

पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। एसएसपी ने चेतावनी दी है कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी

केन्द्र सरकार वक्फ बिल पास कर फैला रही नफरतः मो सुल्तान हुसैन इदरीसी

छपरा, एजेंसी। केंद्र सरकार वक्फ बिल पास कर देश को बांटने व नफरत फ़ैलाने का काम शुरू की है। इसे लोकतांत्रिक देश के मुसलमान भुला नहीं पायेंगे। नगर पालिका चौक पर शनिवार को आयोजित धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने यह बात कही । धरना को संबोधित करते हुए संस्था के संस्थापक महासचिव मो सुल्तान हुसैन इदरीसी ने कहा कि केंद्र की सरकार हर बार कुछ ना कुछ विवादित मामला कर देश को अस्थिर करना चाह रही है। इसमें देश की जनता उलझी रहे। देश की जनता भुखमरी ,बेरोजगारी, बीमारी से ग्रसित है परन्तु सरकार इसके लिए कोई कानून नहीं ला रही है। सुल्तान इदरीसी ने लोक सभा और राज्य सभा के उन सभी सम्मानित सदस्यों का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने ने इस बिल के खिलाफ वोटिंग की। उन्होंने कहा कि यहां लोगों को नुकसान पहुंचाने का कानून बनाया जा रहा है। इसका विरोध संवैधानिक तरीके से किया जा रहा है। इसकी लड़ाई कोर्ट में भी लड़ी जाएगी। धरना को रिजीविया मदरसा के मौलाना रज्जबुल कादरी ने संबोधित करते हुए कहा कि सरकार सिर्फ मुसलमानों को परेशान करने की नीयत से बिल ला रही है । इस बिल के बहाने मुसलमानों के वक्फ के जमीनों को कब्जा करने की साजिश कर रही है । जामा मस्जिद साहेबगंज इमाम मौलाना मो हामिद रजा ने वक्फ बिल को पढ़ कर बताया और जहां जहां इस बिल में गड़बड़ी की गई है उसे चिन्हित कर के समझाया और कहा कि इस बिल के माध्यम से सरकार वक्फ की संपत्तियों को हड़पना चाहती है। छात्र नेता शादाब मजहरी ने बिल को संविधान विरोधी बताया और बिल को जल्द से जल्द वापस लेने की मांग की।धरना को नवाजिश नेहाल ,जफर सिद्दीकी तथा अन्य ने संबंधित किया और बिल को वापस लेने की मांग की। जयंती पर याद किए गए सम्राट अशोक छपरा, एक संवाददाता। शहर के हुसे छपरा में भारतीय लोक चेतना पार्टी के तत्वावधान मौर्य वंश के महान सम्राट अशोक की जयंती काफी हर्षोल्लास पूर्वक वातावरण में शनिवार को मनाई गई। सर्वप्रथम लोगों ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर याद किया।पार्टी के राष्ट्रीय सचिव सह मीडिया प्रभारी राजेश कुशवाहा ने कहा कि अशोक के सिंह शीर्ष भारत का राष्ट्रीय प्रतीक है।यह प्रतीक सारनाथ के अशोक स्तंभ से लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारत के प्रत्येक जिला मुख्यालय में विश्व विजेता सम्राट अशोक की प्रतिमा व अशोक स्तंभ लगाने की मांग की ।इस मौके पर पार्टी के जिला अध्यक्ष अधिवक्ता लाल बाबू सिंह, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सिंगर जयवीर गुप्ता ,महेश सिंह, पूर्व शिक्षिका कमला देवी, बबीता देवी ,प्रमोद कुमार सागर, कुमारी खुशी व अन्य ने भी उनके जीवन पर प्रकाश डाला।

जल्द ही शिक्षकों की अगली तबादला सूची जारी होगी : एसीएस एस सिद्धार्थ

पटना, एजेंसी। बिहार में शिक्षकों की ट्रांसफर पोस्टिंग पर बड़ा अपडेट आया है। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) एस सिद्धार्थ ने अगली टीचर ट्रांसफर लिस्ट के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि अगले दो-तीन दिनों के भीतर विभाग शिक्षकों के तबादले की अगली सूची जारी कर देगा। इसमें महिला टीचर को नए स्कूलों में पोस्टिंग दी जाएगी। पुरुष शिक्षकों के स्थानांतरण के आवेदनों पर इसके

बाद विचार किया जाएगा। अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ ने शिक्षा की बात हर शनिवार कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सबसे पहले सक्षमता परीक्षा पास शिक्षिकाओं की तबादला सूची जारी होगी। इसके बाद बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) से चयनित महिला टीचर की ट्रांसफर लिस्ट जारी की जाएगी।

सोमवार या मंगलवार को अगली लिस्ट आने की संभावना है। एसीएस ने कहा कि अब तक 6 चरणों में शिक्षकों का तबादला किया जा चुका है। बिहार के सरकारी स्कूलों में कार्यरत लगभग 1.90 लाख शिक्षकों ने तबादले के लिए आवेदन दिया है। बता दें कि फिलहाल शिक्षा विभाग विशेष परिस्थिति में ही शिक्षकों का तबादला कर रहा है। सबसे पहले कैंसर और गंभीर बीमारी से ग्रस्त शिक्षकों को मनचाही ट्रांसफर पोस्टिंग की लिस्ट जारी की गई। इसके बाद पति की पोस्टिंग के आधार पर ट्रांसफर के लिए आवेदन करने वालीं महिलाओं के आवेदन पर विचार किया गया। सबसे आखिर में पुरुष शिक्षकों का तबादला होगा।

पूर्वजों को याद रखना वंशज का कर्त्वय है : केंद्रीय गृह राज्य मंत्री

हाजीपुर, एजेंसी। संवाद सूत्र पूर्वजों को याद करना हर समाज के वंशज का कर्तव्य होता है। वीर चौहरमल भी इसी समाज के एक प्रतीक थें। उक्त बातें पातेपुर श्री रामचंद्र उच्च विद्यालय में वीर चौहरमल के प्रखंड स्तरीय जन्म दिवस समारोह कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने कही। इस मौके कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज पासवान एवं मंच संचालन संजय पासवान ने किया। मिली जानकारी अनुसार पातेपुर श्री रामचंद्र उच्च विद्यालय पातेपुर प्रखंड स्तरीय जन्म दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, बिहार सरकार के मंत्री कृष्ण नंदन पासवान, पातेपुर विधायक लखेंद्र पासवान आदि ने चौहरमल के तैल चित्र पर मालार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया।

लीची दक्षिण भारत भेजने के लिए स्पेशल ट्रेन पर होगा विचार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। पूर्व मध्य रेलवे की प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पीसीसीएम) इंदू रानी दुबे ने शनिवार को जंक्शन के वीआइपी कक्ष में लीची व्यवसायियों संग बैठक की। उन्होंने लीची ढुलाई से लेकर मुंबई में अनलोडिंग तक की समस्या की जानकारी ली। साथ ही लीची उत्पादकों को बेहतर सुविधा और समयबद्ध सेवा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। पीसीसीएम ने कहा कि पवन एक्सप्रेस के अलावा एक और स्पेशल ट्रेन चलाने पर विचार किया जा रहा है, जो मुंबई के अलावा पुणे या दक्षिण भारत जा सके।

बैठक के बाद पीसीसीएम ने पार्सल कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान पार्सल पर संक्षिप्त लीज मेनिफेस्टो पर उन्होंने आपत्ति जताई। साथ ही मेनिफेस्टो में पार्सल का पूरा ब्योरा भरने का निर्देश दिया। कहा कि आगे से इसकी शिकायत मिलने पर पार्सल कार्यालय के अधिकारी पर कार्रवाई होगी। पार्सल कार्यालय के बाद उन्होंने यूटीएस और पीआरएस हॉल का भी निरीक्षण किया। इसके बाद आरएलडीए के पदाधिकारियों से जंक्शन के वर्ल्ड क्लास निर्माण से संबंधित जानकारी ली। मौके पर लीची व्यवसायियों के साथ पूमरे के उप मुख्य ऑपरेशन प्रबंधक (कोचिंग) इम्तियाज आलम, सोनपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रौशन कुमार भी थे।

10 हजार क्विंटल लीची भेजने का लक्ष्य

बैठक में बताया गया कि गत वर्ष मुजफ्फरपुर से 6.5 हजार क्विंटल लीची का लदान हुआ था। इस वर्ष इसे 10 हजार क्विंटल तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इसको लेकर लीची व्यवसायियों के लिए बीते साल की तरह डेडीकेटेड पार्सल ऑफिस बनाया जाएगा। साथ ही अस्थायी शेड भी बनेगा, ताकि लीची को सुरक्षित रखा जा सके। मालूम हो कि 15-20 मई के बीच ट्रेनों से लीची की खेप बाहर भेजी जाती है।

संक्षिप्त समाचार

रामभक्तो का जनसमूह सड़क पर भगवा झंडा लिए उमड़ी

बीएनएम। तुरकौलिया। रामनवमी के अवसर पर तुरकौलिया में रामभक्तो का जनसमूह सड़क पर भगवा झंडा लिए उमड़ पड़ी थी। पूरा सड़क मार्ग जयश्रीराम के जयकारे से गूंज उठा था। तुरकौलिया ब्रह्म टोला से निकली जुलूस के आगे आगे करीब तीन दर्जन घोड़े थे। श्रद्धालु भक्तों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। हाथ में भगवा झंडा लिए हुए जयश्रीराम का नारा लगा रहे थे। एहतियातन प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस बल की पूरी मुस्तैदी रही। जुलुस के दौरान थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने अपने दल बल के साथ मुस्तैद नजर आ रहे थे। जुलुस में भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज, ई कुंदन पासवान, राजकिशोर सिंह, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष रवि गुप्ता उर्फ भैयाजी, राकेश सिंह, सरपंच संघ के अध्यक्ष विजय सिंह, सरपंच मनोज प्रसाद, संजय चौधरी, बद्री पासवान, मुना सिंह, विक्की कुमार, अमन कुमार, शशिकांत कुमार, सागर कुमार, जिलापरिषद सदस्य प्रतिनिधि हेमंत वर्मा सहित अनेक थे। जुलुस बाजार, बोरिंग चौक, तुरकौलिया चौक, कवलपुर होते हुए बैरिया बाजार तक गया। वहां से लौटकर तुरकौलिया गांधी घाट पर सभा में परिवर्तित हो गया। भक्तों ने गांधी घाट पर भंडारा का आयोजन किया है। मौके पर सदर एसडीओ, इंस्पेक्टर सुरेश यादव, थानाध्यक्ष सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष मंदन कुमार, एएसआई कन्हैया लाल, विश्वजीत कुमार, संतोष पटेल के साथ सैकड़ों पुलिस बल मौजूद थे।

जयंती पर याद किये गये सम्राट अशोक

बीएनएम। केसरिया। आर्य समाज मंदिर परिसर में शनिवार को समारोह आयोजित कर महान शासक सम्राट अशोक की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सीताराम यादव ने कहा कि सम्राट अशोक के शासनकाल में भारत का विस्तार हुआ। उन्होंने पर्यावरण के संरक्षण के लिए भी बेहतर कार्य किया। वे समाज के लिए आदर्श हैं। वहीं अध्यक्षता करते हुए वसील अहमद खान ने कहा कि बौद्ध धर्म के उत्थान में सम्राट अशोक का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वे शांति, अहिंसा व न्याय के प्रतीक थे। बौद्ध धर्म के प्रचार के माध्यम से संसार को एक संदेश दिया। समारोह को अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। वही सम्राट अशोक के तैल्यचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया गया। संचालन एससी/एसटी कर्मचारी संघ के प्रखण्ड अध्यक्ष लालबाबू राम ने की। मौके पर पूर्व मुखिया राजकुमार प्रसाद, आप पार्टी के जिला प्रवक्ता रामाधार राय, पूर्व मुखिया हरिशंकर पासवान, डॉ राजेन्द्र सिंह,नवल सहनी, चंद्रिका सहनी, ज्ञान प्रकाश, शिवनाथ पासवान, विशुराज सिंह, रवि जायसवाल, प्रमोद यादव सहित अन्य मौजूद थे।

श्री श्री 1008 शिवशक्ति महायज्ञ के लिए निकला शोभायात्रा

बीएनएम। पकड़ीदयाल। प्रखंड क्षेत्र के चोरमा पंचायत बांकीपुर चौक पर दुर्गा मंदिर के प्रांगण में श्री श्री 1008 शिवशक्ति महायज्ञ को लेकर कलश यात्रा निकला कलश यात्रा में हजारों की संख्या में भक्तों ने भाग लिया। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से लेकर कोठी बाजार होते हुए चैता कछुआ नदी के तट पर पहुंच कर आचार्य के द्वारा मन्त्रो उच्चारण कर जलबोझी का कार्यक्रम हुआ। वही जलबोझी कर सभी भक्तों ने कोठी बाजार होते हुए यज्ञ स्थल पर पहुंचा शोभा यात्रा में पकड़ीदयाल पुलिस की तैनाती रही। वही रामजन्म चौरसिया ने बताया कि श्री श्री 1008 शिव शक्ति महायज्ञ नव दिवसीय हो रहा है। वही कलश यात्रा गाजेबाजे के साथ निकाला और इस महायज्ञ में सभी चोरमा वासिओ ने भाग लिया मौके पर चैता समिति विनोद प्रसाद उपस्थित रहे।

चंपारण सत्याग्रह स्मृति दिवस की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

बीएनएम। कोटवा। जसौली पट्टी पंचायत में आगामी 16 अपैल 2025 को चम्पारण सत्याग्रह स्मृति दिवस की तैयारी को लेकर एक बैठक नीरज कुमार सिंह उर्फ बबलू सिंह के दरवाजे पर आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता पूर्व मुखिया कमलेश कुमार सिंह ने की। बैठक में उपेन्द्र कुमार सिंह, भूपेन्द्र नारायण सिंह, बिरेंदर सिंह अधिवक्ता, केशव प्रकाश, अशोक कुमार चौधरी, दिलीप ठाकुर, राजन कुमार सिंह, अभिषेक कुमार,नवल सिंह, अवधेश दास आदि उपस्थित हो कर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सुझाव दिए।

दैनिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मातृ शिशु स्वास्थ्य पर लोगों को किया जाएगा जागरूक: सीएस

बीएनएम। मोतिहारी

स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है

विश्व स्वास्थ्य दिवस प्रत्येक वर्ष 07 अप्रैल को मनाया जाता है इस दिन स्वास्थ्य केंद्रों पर विशेष रूप से लोगों को अपने दैनिक स्वास्थ्य पर ध्यान रखने के बारे में स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा जागरूक किया जाता है, वहीं इसके साथ ही मातृ-शिशु स्वास्थ्य पर भी लोगों को जागरूक किया जाएगा ताकि मातृ -शिशु मृत्यु दर में कमी हो सकें। सीएस डॉ. रविभूषण श्रीवास्तव ने कहा की "स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है"इसलिए जन समुदाय का स्वस्थ रहना बहुत जरुरी है। सीएस ने बताया की इस दिवस की शुरुआत विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना के साथ हुई थी। जिसका उद्देश्य स्वस्थ जीवन शैली अपने और स्वास्थ्य की गंभीरता को लेना था। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल लगभग 3 लाख महिलाएं गर्भावस्था या प्रसव के कारण अपनी जान गंवा देती हैं। इसके अलावा, 2 मिलियन से ज़्यादा बच्चे अपने जीवन के पहले महीने में ही मर जाते हैं और लगभग 2 मिलियन बच्चे मृत पैदा होते हैं। यह एक बहुत बड़ा और दुखद आंकड़ा है, जो हर 7 सेकंड में लगभग 1 रोकी जा सकने वाली मौत को दर्शाता है। इसलिए मातृ एवं नवजात की मृत्यु दर को कम करने पर फोकस किया जा रहा है। बच्चों को नियमित टीकाकरण कराया जा रहा है इसे शत प्रतिशत करने हेतु प्रयास किए जा रहें है। एईएस जैसे गंभीर रोगों से बचाव हेतु जागरूक किया जा रहा है।

सुरक्षित गर्भावस्था व सुरक्षित प्रसव जरूरी है :- जिले में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए घरेलू प्रसव मुक्त पंचायत का अभियान चलाया जा रहा है। उच्च जोखिम वाली गर्भवतियों के उचित शल्य प्रबंधन के लिए प्रथम रेफरल इकाई को क्रियाशील एवं मजबूत किया जा रहा है। सदर अस्पताल स्थित विशेष चिकित्सा देखभाल इकाई को भी चलाया जा रहा है, आरोग्य दिवस एवं प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व योजना के तहत गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष अभियान चलाकर उनकी प्रसव पूर्व जांच की जा रही है। मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए तमाम प्रयास किए जा रहें है। वहीं गैर-संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य केंद्रों पर जाँच किया जा रहा है।

सीपीआईएम लोकल कमिटी ने की बैठक

बीएनएम। मोतिहारी/मेहसी

जिले के चकिया, तेतरिया लोकल कमिटी की बैठक कॉमरेड जमालुद्दीन की अध्यक्षता एवं सीपीआईएम राज्य कमिटी सदस्य सह पिपरा विधानसभा क्षेत्र से महागठबन के प्रत्याशी रहे कॉमरेड राजमंगल प्रसाद के प्रवेक्षण में पार्टी कार्यालय सिधवलिया में संपन्न हुई। इस बैठक में के एजेंडो पर बातचीत की गई। इसमें सभी सदस्यों का नवीकरण आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर सभी साथियों के साथ युद्ध स्तर पर लगना शामिल है। बैठक को संबोधित करते हुए कामरेड राजमंगल प्रसाद ने केंद्र के मौजूदा सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करते हुए कहा कि ये सरकार आरएसएस के इशारे पर वक्फ कानून लाकर मुसलमानों की संपति को छीनकर अपने कॉरपोरेट मित्रो को सौंपने के लिए कानून बनाया है। उन्हीने कहा कि बिहार के मुखिया नीतीश कुमार आरएसएस के मुखौटा बन चुके हैं। आगामी चुनाव में इनकी विदाई तय है। कामरेड राजमंगल ने पिपरा विधायक पर आरोप लगाया कि उनके 10 वर्षों के शासन में विकास का कोई काम नहीं हुआ है इसलिए इस विधायक की विदाई भी नीतीश जी के साथ निश्चित है। बैठक में एलटसी सेक्रेटरी कामरेड मुकेश कुमार, पूर्व मुखिया कामरेड अजय कुमार, पैक्स अध्यक्ष कॉमरेड दिलीप कुमार अन्य साथी उपस्थित हुए।

राम नवमी पर रक्सौल में निकली भव्य शोभायात्रा

» जय श्रीराम' के नारों से गूंजता रहा शहर

बीएनएम। मोतिहारी

रामनवमी के पावन अवसर पर भारत-नेपाल सीमावर्ती शहर रक्सौल में भव्य और ऐतिहासिक शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु राम भक्तों ने हिस्सा लिया।<हाथों में भगवा ध्वज थामे रामभक्तो ने "जय श्रीराम" के नारों के साथ पूरे नगर को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। शोभायात्रा हजारी मल हाई स्कूल से आरंभ हुई, जो नगर के प्रमुख मार्गो से कोइरिया टोला, नहर चौक, कौड़िहार चौक, ब्लॉक रोड, स्टेशन रोड से गुजरती हुई पूरे नगर का भ्रमण किया। यात्रा के दौरान भक्ति संगीत, ढोल-नगाड़ों और झांकी के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। शोभा यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क था। रक्सौल एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित,एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार, इंस्पेक्टर राजीव नंदन सिन्हा स्वयं मौके पर मौजूद रहतर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते दिखे।इसके साथ ही बड़ी संख्या में पुलिस बल, महिला सुरक्षाकर्मी, और सिविल डिफेंस की टीमों को चप्पे-चप्पे पर तैनात दिखे। नगरवासियों और दुकानदारों ने शोभायात्रा का स्वागत पुष्पवर्षा और पेयजल सेवा के माध्यम से किया। राम नवमी के इस भव्य आयोजन ने रक्सौल वासियो को न केवल धार्मिक भावना को बल दिया, बल्कि सांस्कृतिक एकता और सामाजिक सौहार्द का भी अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

गॉड लाइक केयर आवासीय विद्यालय का हुआ उद्घाटन

समय-समय पर डॉक्टरों द्वारा बच्चों को दी जाएगी चिकित्सकीय परामर्श

» हॉस्टल प्रशासन का स्लोगन है- पढ़ें कहीं रहें यहीं

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के न्यू गोपालपुर मुहल्ला स्थित गर्ल्स एंड बॉयज इला ब्लॉसम हॉस्टल एवं गॉड लाइक केयर आवासीय विद्यालय के नये परिसर का श्रीगणेश रविवार को डॉ. स्वस्ति सिंहा, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. अतुल कुमार, रंजीत कुमार (निदेशक आर्य विद्यापीठ) अनिल वर्मा, संस्था के निदेशक अभय अनंत, पल्लवी, विकास कुमार पाण्डेय, एवं विद्यालय परिवार के शिक्षक सीमा सिंह, रागिनी कुमारी, उमा सिंह, सरवर आलम, तारकेश्वर यादव के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। संस्था के निदेशक ने बताया कि इला ब्लॉसम हॉस्टल बेहतर आवासीय सुविधा, स्वास्थ्यवर्धक वातावरण, स्वच्छ पेय जल, फ्री वाई-फाई एवं ट्यूशन सुविधा उपलब्ध कराती हैं। हॉस्टल प्रशासन का स्लोगन भी हैं "पढ़ें कहीं रहें यहीं"। डॉ. स्वस्ति सिंहा एवं डॉ. अतुल कुमार ने कहा कि समय-समय पर बच्चों को चिकित्सीय परामर्श दिया जाएगा। रंजीत कुमार (निदेशक आर्य विद्यापीठ) ने कहा कि मेरे विद्यालय के बच्चे भी इला ब्लॉसम हॉस्टल में ही आवासीय सुविधा लेंगे। अनिल वर्मा ने संस्था के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चों के सांस्कृतिक विकास में हमलोगों की पूरी भागीदारी रहेगी। संस्था के आर्ट डायरेक्टर राजकुमार ने बच्चों के अंदर के कलात्मक तत्व विकसित करने की बात कही। उक्त आशय की जानकारी वरीय चिकित्सक डॉ. अतुल कुमार एवं विकास अधिकारी अनिल कुमार वर्मा ने दी।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

बीएनएम। मोतिहारी

जिला के बनकटवा थाना क्षेत्र के सठौरा गांव के सरेह के सामने स्थित दरभंगा-रक्सौल रेल खंड पर ट्रैक के किनारे रविवार की सुबह एक 35 वर्षीय अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ। शव देखने के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गयी। इसकी सूचना पर पहुंची रेल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जीतना थाना को सुपुर्द कर दिया। जीतना थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पुलिस अभिरक्षा में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज कर अग्रतर कारवाई की जा रही है। समाचार प्रेषण तक शव की पहचान नहीं हो सकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे वह रेलवे ट्रैक पर बैठा था। उसी समय रक्सौल से जाने वाली गरीब रथ एक्सप्रेस की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत ही गई।

प्रभु श्रीराम न अधर्म पर धर्म की विजय हेतु लिया अवतार: छोटे बापू

बीएनएम। मोतिहारी

भारत देश की आत्मा प्रभु श्रीराम है संपूर्ण विश्व के राजा प्रभु श्री राम ही है। प्रभु श्री राम हमेशा ही अधर्म पर धर्म की विजय हेतु अवतार धारण किया है। उक्त प्रवचन ब्रह्मलीन योगीराज श्री देवराहा गुरुकुल आश्रम में चल रहे 54वां सद्गुरु महायज्ञ एवं संगीतमय श्री राम कथा के विराम दिवस के दिन अयोध्या धाम से पधारे छोटे बापू जी महाराज ने कहा। रविवार के नवम दिवस के कथा का व्यास पूजन माल्यार्पण और विधिवत दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ श्री राम कथा के आजीवन सहयोगी कृष्णा कुमार ज्वेलर्स, राजीव रंजन कुमार उर्फ मंटू जी, प्रमोद जैन, छटू प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया। व्यास पूजन शोभा देवी द्वारा किया गया। समस्त यज्ञ पूजन शशिकांत चौबे ने किया। आश्रम सचिव डॉक्टर जय गोविंद प्रसाद ने बताया कि ठीक 12 बजे पुजारी अचार्य विवेक कुमार पांडे एवं सुधीर पांडे ने राम दरबार का पट खोलकर दिव्य दर्शन कराया और जय श्री राम के जय घोष के साथ भए प्रगट कृपाला दीन दयाला भजन के साथ श्री राम प्रभु की दिव्य झांकी आश्रम परिसर में घूमते हुए कथा पंडाल में बिठाई गई। आज के राम नाम संकीर्तन के यजमान डॉक्टर प्रणव प्रियदर्शी रहे। यज्ञ संयोजक राम भजन ने कहा कि श्री राम कथा सद्गुरु महायज्ञ हवन के साथ भक्ति भाव के साथ पूर्णाहुति हुई। सभी संतों का यज्ञ कमेटी के द्वारा अंग वस्त से स्वागत सम्मान किया गया। आश्रम की ओर से राम जन्मोत्सव के अवसर पर महा भंडारा का आयोजन हुआ जहां हजारों हजार की संख्या में भक्तों में प्रसाद पाया। आरती के साथ यज्ञ संपन्न हुआ। सह संयोजक रंजीत कुमार ने बताया कि 15 दिवसीय श्री राम नाम संकीर्तन 9 अप्रैल तक चलेगा। आज श्री राम कथा के बीच राम राज्याभिषेक की भव्य झांकी का भक्तों को दर्शन कराया गया। यज्ञ को सफल बनाने में अध्यक्ष विनय कुमार शर्मा, चंद्रशेखर प्रसाद, अशोक कुमार, अजय कुमार, रंजन कुमार, कन्हैया प्रसाद अधिवक्ता अशोक कुमार सिंह, कृष्ण कुमार, विक्की कुमार, रंजीत कुमार, हरिशंकर सिंह, दिलीप केसरी,पप्पू कुमार, देवेंद्र पाठक, राजीव कुमार, कृष्ण कुमार, हरीकिशोर सिंह, श्रवण कुमार आदि लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एमजीसीयू के पूर्व छात्र रवि रंजन को अमेरिका में मिला डीन विशिष्ट सम्मान

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रसायन विभाग के पूर्व छात्र रवि रंजन पांडेय को संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिष्ठित कैलिफ़ोर्निया विश्वविद्यालय, रिवरसाइड में पूर्णतः वित्त-पोषित अनुसंधान उपाधि (पीएचडी) कार्यक्रम में प्रवेश मिला है। उन्हें वहाँ के उच्च सम्माननीय डीन विशिष्ट सम्मान से भी सम्मानित किया गया है,जिसके के तहत उन्हे प्रति माह लगभग 3.3 लाख की शोधवृत्ति के साथ संपूर्ण शिक्षण शुल्क में छूट प्रदान की गई है।रवि रंजन पाण्डेय ने वर्ष 2022 में विश्वविद्यालय से रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त की थी और तत्पश्चात् विश्वविद्यालय में डॉ. राकेश कुमार पाण्डेय के निर्देशन में एक शोध परियोजना से जुड़े रहे। उन्होंने अब तक 10 से अधिक शोध लेखों का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त पत्रिकाओं में किया है, जो उनकी अनुसंधान दक्षता एवं सतत श्रमशीलता को दर्शाता है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि रवि रंजन पाण्डेय की प्रतिभा, परिश्रम और विश्वविद्यालय की उत्कृष्ट शैक्षणिक एवं अनुसंधान परंपरा का परिचायक है। महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय ऐसे प्रतिभाशाली छात्रों को प्रेरणा, अवसर और मंच प्रदान करता है। रसायन शास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर रफीक़ उल इस्लाम ने कहा, कि रवि की सफलता हम सभी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने हमारे विभाग की पहचान राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित की है। उनकी अनुशासित कार्यशैली और शोध के प्रति समर्पण अनुकरणीय है।विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर देवदत्त चतुर्वेदी ने कहा,रवि रंजन पाण्डेय की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की गुणवत्ता परक शिक्षा, अनुसंधान-संस्कृति तथा वैश्विक मंचों पर छात्रों की पहुंच को प्रमाणित करती है। विश्वविद्यालय की शोध संस्कृति अब वैश्विक परिप्रेक्ष्य में पहचान बना रही है। अपनी इस सफलता पर रवि रंजन पाण्डेय ने कहा कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के मेरे शिक्षकगण एवं विशेष रूप से मेरे मार्गदर्शक डॉ. राकेश कुमार पाण्डेय के प्रोत्साहन व निरंतर समर्थन के बिना संभव नहीं थी। विश्वविद्यालय में प्राप्त शोध संस्कृति, संसाधन और मार्गदर्शन ने मुझे इस स्तर तक पहुंचाया। विश्वविद्यालय परिवार ने भी रवि रंजन पाण्डेय को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

संक्षिप्त समाचार

विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने निकाली भव्य शोभा यात्रा

बीएनएम। अरेराज। अरेराज के शिव नगरी श्रीसोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर से आज विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में अनुमंडल पदाधिकारी अरुण कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रंजन कुमार,प्रखंड विकास पदाधिकारी आदित्य नारायण दीक्षित ,अरेराज थाना अध्यक्ष विभा कुमारी, सर्किल पुलिस इंस्पेक्टर पूर्ण काम समर्थ, थानाध्यक्ष राजू कुमार मिश्रा,एस.आई राजेश तिवारी,एस.आई रम्रेंद कुमार,एस.आई वीरेंद्र पासवान सहित अरेराज के पुलिस बल ने भाग लिया। यह शोभा यात्रा शिव मंदिर से शुरू हुई, जिसमें सजे-धजे घोड़ों ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया और कार्यकर्ता 'जय श्री राम' के नारे लगाते हुए पूरे उत्साह में दिखे। यात्रा के दौरान, विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के बीच लड्डू का प्रसाद भी बाँटा गया, जिससे वातावरण में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। इस शोभा यात्रा ने स्थानीय लोगों में धार्मिक उत्साह और एकता की भावना को बढ़ावा दिया, और यह कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

पश्चिम चंपारण में रामनवमी पर निकाली गई शोभायात्रा

बीएनएम। बेतिया। पश्चिम चंपारण में रामनवमी के अवसर पर शोभायात्रा निकाली गई। पंचमुखी हनुमान मंदिर से निकली शोभायात्रा ने आर्यसमाज रोड होते हुए नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। शोभायात्रा में राम सीता, हनुमान व घोड़े पर बैठी रानीलक्ष्मी बाई आकर्षण का केंद्र रही। इस दौरान भगवा झंडे को लेकर विधायक रश्मि वर्मा समेत अन्य साथ चलते नजर आए। युवकों के जय श्री राम के जयघोष से पूरा नगर गुंजायमान रहा।शोभायात्रा के दौरान पुलिस की भी चाक चौबंद व्यवस्था रही। थानाध्यक्ष अवनीश कुमार स्वयं रामभक्तों की निगहबानी में लगे रहे। राम जी की निकली सवारी,राम जी की लीला है न्यारी जैसे गीतों पर युवाओं की टोली झूमती रही। विधायक रश्मि वर्मा ने बताया कि पुराणों के मुताबिक श्री राम भगवान विष्णु के सातवे अवतार माने जाते हैं।उनका जन्म चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि के कर्क लग्न और पुनर्वसु नक्षत्र के मध्य दोपहर में हुआ था। प्रत्येक वर्ष इस तिथि को रामनवमी मनाई जाती है। उन्होंने बताया कि इस शोभायात्रा में शामिल होकर उन्हें अपने आराध्य के उत्सव को मनाने का मौका मिला है।शोभायात्रा मे आरएसएस,बजरंग दल की टीम के साथ भारी संख्या में युवाओं की टोली शामिल रही।

बंशी चाचा की शहादत को याद करेगा बिहार, पटना में 13 को होगा कार्यक्रम

हाजीपुर। पटना के मिलर हाई स्कूल मैदान में आगामी 13 अप्रैल को बंसी चाचा का शहादत दिवस मनाया जाएगा। इस आयोजन की तैयारी को लेकर पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने वैशाली के लालगंज स्थित बरका मंदिर परिसर में बैठक की। बैठक में समाज के लोगों, जनप्रतिनिधियों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने कानू-हलवाई समाज से इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होने अपील किया है। उन्होंने कहा कि "जातीय जनगणना में इस समाज की जनसंख्या 3.08 प्रतिशत है, लेकिन राजनीतिक प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत बहुत कम है, जिससे समाज में असंतोष है।" बैठक के दौरान मंत्री गुप्ता ने बताया कि बंसी चाचा की वीरता की गाथा सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं, बल्कि नेपाल तक प्रसिद्ध है। उन्होंने बागमती नदी पर पुल निर्माण के लिए बड़ा सामाजिक आंदोलन चलाया था। राजनीतिक असहमति के बावजूद उन्होंने जनहित में संघर्ष किया और 20 नवंबर 1997 को 75 वर्ष की उम्र में आत्मदाह कर लिया। उनकी शहादत के बाद एनडीए सरकार ने पुल निर्माण का कार्य शुरू किया। मंत्री ने बताया कि उस समय राबड़ी देवी सरकार ने पुल निर्माण की अनुमति नहीं दी थी। बैठक में लालगंज विधायक संजय सिंह, भाजपा नेता व अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। मंत्री ने सभी से आग्रह किया कि वे 13 अप्रैल को पटना पहुंचें और शहादत दिवस कार्यक्रम को सफल बनाएं। इसके साथ ही समाज की एकजुटता का परिचय दें।

चमकी से बचाव के लिए हर शनिवार लगेगी संध्या चौपाल, डीएम सेन ने किया शुभारंभ

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (AES) यानी चमकी बुखार से बचाव के लिए एक नई पहल शुरू की गई है। मुशहरी प्रखंड के बेदौलिया गांव में DM सुब्रत कुमार सेन ने संध्या चौपाल की शुरुआत की। बेदौलिया प्राथमिक विद्यालय में दीप प्रज्वलित कर शुरू हुई इस पहल के तहत हर शनिवार शाम को ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को चमकी बुखार के लक्षण, बचाव और इलाज की जानकारी देना है। DM ने बताया कि बच्चों में AES के लक्षण दिखते ही उन्हें तुरंत निकटतम सरकारी अस्पताल ले जाएं। सरकारी अस्पतालों में प्रशिक्षित डॉक्टर इलाज करेंगे। डॉक्टरों की उपस्थिति दर्पण प्लस एप से मॉनिटर की जा रही है। SKMCH में 100 बेड का आधुनिक पीकू वार्ड स्थापित किया गया है। मरीजों को अस्पताल पहुंचाने वाले वाहन मालिकों को 400 से 1000 रुपए तक का भुगतान किया जाएगा। जिले में 0-15 वर्ष के 11 लाख बच्चों की नियमित निगरानी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ता कर रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग जीरो डेथ पॉलिसी पर काम कर रहा है। 2023 और 2024 में 41-41 केस मिले, लेकिन सतर्कता और कुशल प्रबंधन से कोई मृत्यु नहीं हुई। इस वर्ष भी लोगों से सतर्क रहने की अपील की गई है।

7 मामले में फरार आरोपी सुमन मिश्रा गिरफ्तार, जेल से आने बाद शराब कारोबारियों को भेजता था खेप

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में लंबे समय से फरार चल रहे शराब माफिया सुमन मिश्रा को बोचहां थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार देर शाम उसे कोर्ट में प्रस्तुत कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सुमन मिश्रा पर शराब तस्करी के दर्जनों मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं और वह पिछले कई कांडों में लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था। बोचहा थाना पुलिस को सुमन मिश्रा की मौजूदगी को लेकर गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद ग्रामीण एसपी विद्यासागर के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सुमन मिश्रा के घर पर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। ग्रामीण SP विद्यासागर ने बताया कि 30 मार्च को पुलिस को सूचना मिली थी कि करणपुर ककड़ा के पास एक ट्रक से शराब की खेप उतारकर पिकअप पर लोड की जा रही है। सूचना के आधार पर तत्काल छापेमारी की गई। पुलिस को देखते ही शराब कारोबारी मौके से फरार हो गए, लेकिन पिकअप के पास मौजूद तीन संदिग्ध युवकों को पुलिस ने पकड़ा। पकड़े गए युवकों की पहचान कौशल कुमार, गुड्डू कुमार (दोनों अहियापुर) और त्रिपुरारी मिश्रा (रामपुरहरी थाना) के रूप में हुई। पूछताछ के दौरान उन्होंने बताया कि शराब की खेप सुमन मिश्रा के लिए मंगाई गई थी। इसी आधार पर पुलिस ने कांड संख्या 75/25 दर्ज किया और मामले की जांच आगे बढ़ाई। गिरफ्तार युवकों की निशानदेही पर पुलिस ने सकरा थाना क्षेत्र के चुन्नू पासवान और अमर पासवान के ठिकानों पर छापेमारी कर 695 लीटर विदेशी शराब की खेप बरामद की। इस खेप की भी डिलीवरी सुमन मिश्रा के लिए की जानी थी।

कारोबारी के घर 20 मिनट में 1.26 करोड़ की डकैती

♦ 'चाचा प्रणाम' बोलकर घर में घुसे, परिवार को बंधक बनाकर 1.25 करोड़ के गहने, कैश लूटे

बीएनएम। पटना

पटना में कारोबारी के घर से सवा करोड़ के गहनों और सवा लाख कैश की लूट हुई है। डकैती अगमकुआं थाना क्षेत्र स्थित नालंदा कॉलोनी में रहने वाले हार्डवेयर कारोबारी संतोष प्रकाश के घर हुई है। वारदात शनिवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे हुई। संतोष प्रकाश उस समय घर पर थे। बदमाशों ने परिवार के सभी सदस्यों को बंधक बना लिया। उन्होंने गोदरेज में रखे कीमती जेवरात और कैश लेकर फरार हो गए। परिवार ने विरोध करने की कोशिश की तो बदमाशों ने गोली मारने की धमकी दी। परिवार की सदस्य कुमारी ज्योति ने बताया- 'सुबह 10.30 बजे के आसपास मेरे पति ब्रश कर रहे थे। इस दौरान ही पहले एक आदमी आया, कहा- चाचा प्रणाम और उनके बारे में पूछने लगा। इसके बाद 5 लोग और आए। घर से सवा करोड़ के गहने और 1.20 लाख कैश ले गए।' करीब 20 मिनट तक डकैत कारोबारी के घर में रहे और फिर गहने और नकद को झोले में भरने के बाद मेन गेट को बाहर से बंद कर दिया। कुछ दूर पर बाइक लगा रखी थी, उसी पर सवार होकर बाइपास की ओर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही अगमकुआं थाना प्रभारी नीरज कुमार पांडे और सिटी SP पूर्वी डॉक्टर के रामदास दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस आसपास लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। थाना प्रभारी के अनुसार, मकान मालिक ने एक करोड़ रुपए से अधिक की लूट की जानकारी दी गई है। पुलिस के मुताबिक 1.25 करोड़ के जेवर, एक लाख 25 हजार कैश गायब है।

बेटे को घसीटा तो गुस्से में धक्का-मुक्की हुई: कारोबारी संतोष प्रकाश ने बताया कि 'बेटा सो रहा था। बदमाशों ने उसे घसीटकर कमरे में बंद करने की कोशिश की। यह देखकर हमे गुस्सा आया और हम बदमाशों के साथ धक्का-मुक्की की। फिर दूसरे कमरे में एक अलमीरा का ताला तोड़ने की कोशिश की, लेकिन नहीं टूटा। इसके बाद मेरी वाइफ को लेकर गए। उससे चाभी लिया। फिर से वाइफ को हमारे साथ ही कमरे में बंद कर दिया। 2 के पास देसी पिस्टल और एक पास रिवॉल्वर था। जिसने मुझे कवर किया था, उसके हाथ में 2 पिस्टल था। उनलोगों की एक्टिविटी देखकर ऐसा लग रहा था कि हमारे घर के जानकार थे। एक-एक चीज की जानकारी थी।'

पिछले दिनों ड्राइवर से हुई थी कहासुनी: संतोष प्रकाश ने किसी पर शंका जाहिर नहीं की है। उनसे जब किसी से विवाद को लेकर सवाल पूछा तो उन्होंने बताया कि 'बख्तियारपुर के रहने वाले एक चंदन नाम के शख्स को ड्राइवर के तौर पर रखा था। लगभग 1 वर्ष तक काम किया। वो घर के अंदर आता जाता था। गाड़ी से तेल चोरी कर बेच देता था, जिसके कारण 8 महीने पहले उसे काम से निकाल दिया था। उस समय उससे कहासुनी काफी हुई थी।'

घटना के पीछे किसी परिचित का हाथ: घटना के पीछे किसी परिचित का हाथ होने की आशंका जताई जा रही है।क्योंकि एक ही अलमारी से गहने और कैश लेकर अपराधी भागे। इसका मतलब है कि डकैतों को पता था कि किस अलमारी में परिवार की महिलाओं का गहने और नकद रखे हुए हैं। डकैत स्थानीय भाषा बोल रहे थे। यानी डकैतों का यह गिरोह पटना सिटी या आसपास इलाके का रहने वाला है। घर का गेट खुला हुआ था। इसलिए आराम से डकैत अंदर घुसे और सभी को बंधक बना लिया।

घटनास्थल से कुछ दूर पर रुक गए खोजी कुत्ते: घटना के बाद डॉग स्क्वॉयड को बुलाया गया। डॉग घटनास्थल से सूंघकर कुछ दूर तक गया फिर वहां से वापस आ गया। पुलिस की टेकनिकल टीम कारोबारी और उनके घर से ले गए मोबाइल का लोकेशन लेने में जुट गई। डकैतों के मौके से फरार होने के 10 मिनट बाद ही सभी का मोबाइल बंद हो गया। पिछले 20 दिनों में पटना में दिनहाड़े डकैती की दूसरी बड़ी वारदात हुई।

'राहुल गांधी को गया में मिलेगा राजनीतिक मोक्ष'

बीएनएम। पटना

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बिहार दौरे पर प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को बहुत-बहुत धन्यवाद देते हैं। जहां जाते हैं, वहीं कांग्रेस की लुटिया डूबो देते हैं। छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली हर जगह इनकी हार हुई है। गया मोक्ष की भूमि है। अब अंतिम में बिहार आ रहे हैं। गया होते हुए ही दिल्ली लौटेंगे। उन्हें गया में ही राजनीतिक मोक्ष मिलेगी।

लालू के नाम पर तेजस्वी राजनीति कर रहे: वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर कहा, 'दोहरा चरित्र नहीं चलेगा। 2010 में उनके पिताजी ने वक्फ संशोधन बिल की बात की थी। तेजस्वी को चाहिए कि वह अपने पिताजी के विचारों और विरासत को देखें। लोग तेजस्वी को नहीं, लालू प्रसाद यादव को जानते हैं। तेजस्वी उन्हीं के नाम पर राजनीति कर रहे हैं।

किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है: दिलीप जायसवाल ने आगे कहा कि तेजस्वी को अपने पूज्य पिताजी से पूछना चाहिए। लोकसभा में उन्होंने इस बिल पर क्या और क्यों कहा था। हमने मिलकर मुस्लिम भाइयों के पक्ष में बात रखी। उसी के तहत यह बिल लाया गया। राष्ट्रपति ने इसे कानून का रूप दिया है। मुस्लिम भाइयों को चिंता करने की जरूरत नहीं है। हमारी फिक्र सिर्फ इतनी है कि वक्फ की संपत्ति पर कोई और कब्जा न कर सके।

बिहटा में दुकानदार ने की खुदकुशी, घर में संपत्ति विवाद को लेकर परेशान चल रहा था

बीएनएम। पटना

पटना के बिहटा में एक किराना दुकानदार ने अपनी दुकान में फांसी लगाकर जान दे दी। मृतक की पहचान स्वतंत्रता सेनानी दिवंगत रामचंद्र गुप्ता के राजन कुमार उर्फ गुड्डू (46) के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही बिहटा पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच के लिए पटना FSL टीम को भी सूचित किया गया है।

बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था: प्रारंभिक जांच में पारिवारिक कलह आत्महत्या का कारण सामने आया है। राजन कुमार तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। तीनों भाइयों की अलग-अलग किराना दुकानें हैं। संपत्ति के बंटवारे को लेकर भाइयों के बीच अक्सर विवाद होता था। माना जा रहा है कि इसी परेशानी के चलते राजन कुमार ने यह कदम उठाया।

15 साल पहले हुई थी शादी: करीब 15 साल पहले शादी हुई थी। दो बेटियां हैं। मृतक के दोस्तों के अनुसार, वह सुबह सामान्य रूप से दुकान खोलकर आए थे। उन्होंने बताया कि राजन एक अच्छे इंसान थे और उन्हें विश्वास नहीं हो रहा कि उन्होंने ऐसा कदम उठाया। घटना की खबर फैलते ही सब्जी मंडी में लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर कई तरह की चर्चाएं हो रही हैं। घटना को लेकर थानाध्यक्ष राजकुमार पांडे ने बताया कि बिहटा थानाक्षेत्र के सब्जी बाजार के किराना दुकान में एक किराना दुकानदार ने आत्महत्या किया।इधर सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम और पटना FSL की टीम मौके पर पहुंची। जांच-पड़ताल शुरू की है।

2 बेटियों के सिर से पिता का साया उठा

लिखित शिकायत अभी नहीं दिया गया है: मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। हालांकि, घटना के पीछे कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है। फिलहाल मृतक के परिजनों के तरफ से लिखित शिकायत मिलने के बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा कि आत्महत्या के पीछे के कारण क्या है। साथ ही पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला स्पष्ट होगा की मौत कब हुई थी। कैसे हुई है।

BSSC इंटर स्तरीय परीक्षा की तिथि घोषित करने की मांग

छात्र नेता दिलीप कुमार बोले- 10 दिन का दिया जा रहा समय, आंदोलन करने की दी चेतावनी

बीएनएम। पटना

बिहार कर्मचारी चयन आयोग (BSSC) की ओर से ली जाने वाली द्वितीय इंटर स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों में आक्रोश है। परीक्षा तिथि जल्द जारी करने की मांग को लेकर छात्र नेता दिलीप कुमार ने आंदोलन की चेतावनी दी है।

10 दिन के भीतर परीक्षा की तारीख बताई जाए: छात्र नेता दिलीप कुमार ने कहा कि अगर आगामी 10 दिनों में परीक्षा की तिथि घोषित नहीं की जाती है तो सड़कों पर उतरकर जोरदार आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। लेकिन आयोग की ओर से अब तक कोई स्पष्ट सूचना नहीं दी गई है। गौरतलब है कि बीएसएससी ने वर्ष 2023 में द्वितीय इंटर स्तरीय परीक्षा के लिए कुल 12,199 पदों पर वैकेंसी निकाली थी। इसमें सामान्य वर्ग के लिए 5503 पद, ईडब्ल्यूएस के 120, पिछड़ा वर्ग के 1377, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के 2083, अनुसूचित जाति के 1540, अनुसूचित जनजाति के 91 और पिछड़ा वर्ग की महिलाओं के लिए 404 पद शामिल हैं।

25 लाख के करीब अभ्यर्थियों ने किया आवेदन: इस परीक्षा के माध्यम से लोअर डिवीजन क्लर्क, फिलारिया इंस्पेक्टर, राजस्व कर्मचारी, लेखपाल, पंचायत सचिव और टाइपिस्ट जैसे पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। इसके लिए 25 लाख के करीब अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। एक पद के लिए औसतन 200 से अधिक उम्मीदवारों ने आवेदन किया है, जिससे प्रतियोगिता काफी कठिन हो गई है। अब अभ्यर्थी और छात्र संगठनों की मांग है कि बीएसएससी जल्द से जल्द परीक्षा की तिथि घोषित करे, अन्यथा बड़े पैमाने पर आंदोलन किया जाएगा।

पटना के नौबतपुर में चैत्र महोत्सव का आयोजन, बार बालाओं ने लगाए ठुमके

बीएनएम।पटना

हिंदी-भोजपुरी गानों पर झूमते नजर आए ग्रामीण

पटना में नौबतपुर के अमरपुरा गांव में चैत्र महोत्सव का आयोजन किया गया। रावण वध समिति की ओर से आयोजित कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। यूपी के जादूगर सुरेंद्र सावरका और छपरा के अनिरुद्ध आशिक ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। इस दौरान बार बालाओं ने भी जमकर ठुमके लगाए। हिंदी और भोजपुरी गानों पर ग्रामीण झूमते नजर आए।

पंचम महतो की स्मृति में समारोह: आयोजन समिति के अध्यक्ष परमिंदर दयाल ने बताया कि पिछले 24 साल से पंचम महतो की स्मृति में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार देर रात 9 बजे कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी, जो रविवार सुबह 6 बजे तक चली। हजारों लोग इसमें शामिल हुए। नौबतपुर का यह चैत्र महोत्सव बिहार में काफी प्रसिद्ध है। इस मौके पर आयोजन समिति के सदस्य सरवन कुमार, कौशल किशोर, अजीत कुमार, कृष्ण कुमार और शंकर कुमार मौजूद रहे।

बेऊर जेल में कुख्यात के वार्ड से 4 मोबाइल जब्त

2 घंटे तक चली छापेमारी, रवि गोप के खिलाफ थाने में हुई FIR

बीएनएम। पटना

पटना के बेऊर केंद्रीय कारा में रविवार को बड़ी कार्रवाई हुई। नए जेल अधीक्षक नीरज कुमार झा के नेतृत्व में की गई छापेमारी में कुख्यात अपराधी रवि गोप के गोदावरी खंड से चार स्मार्टफोन और दो चार्जर बरामद किए गए।

मोबाइल इस्तेमाल करने की सूचना मिली थी: जेल अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि रवि गोप जेल के अंदर से मोबाइल का इस्तेमाल कर रहा है। इस सूचना पर दोपहर करीब 2 बजे जेल अधिकारियों और सिपाहियों के साथ गोदावरी खंड में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। छापेमारी के दौरान करीब दो घंटे तक कैदियों में अफरा-तफरी का माहौल रहा। कैदी समझ नहीं पा रहे थे कि अचानक दोपहर में छापेमारी क्यों की जा रही है।

बेऊर थाने में एक और मामला दर्ज: जेल अधीक्षक ने कहा कि जेल मैनुअल का दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जेल प्रशासन ने बरामद सामान की सूची बनाकर बेऊर थाने में रवि गोप के खिलाफ एक और मामला दर्ज करा दिया है। जेल में सर्च ऑपरेशन और छापेमारी अभियान जारी रहेगा।

राजेश राम ने राबड़ी आवास में तेजस्वी से की मुलाकात

बीएनएम। पटना

महागठबंधन के सीएम चेहरा पर बोले- इसको लेकर अलग से बैठक होगी, फिर तस्वीर साफ होगी

राहुल गांधी के आने से एक दिन पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम तेजस्वी यादव से मिलने राबड़ी आवास पहुंचे। उनके साथ कांग्रेस विधायक दल नेता शकील अहमद खान भी थे। रविवार को मुलाकात के बाद राजेश राम ने कहा कि यह औपचारिक मुलाकात थी। इंडिया गठबंधन को कैसे आगे बढ़ाना है, टाइम टू टाइम कैसे बैठक करनी है। इसको लेकर चर्चा हुई। राजेश राम ने कहा कि गठबंधन के जितने भी पार्टनर हैं, बहुत जल्द ही एक साथ बैठने जा रहे हैं। राहुल गांधी की तेजस्वी यादव से मुलाकात के सवाल पर राजेश राम ने कहा कि आज का मुद्दा यही था कि आप लोग के जो सवाल आ रहे थे। इसको लेकर औपचारिक बैठक हुई है। वहीं, तेजस्वी यादव के महागठबंधन के सीएम चेहरा होने को लेकर कहा कि अभी हम लोग एक साथ बैठक करेंगे। इसके बाद सारी तस्वीर साफ हो जाएगी।

सदाकत आश्रम में हुई पीसी: इससे पहले कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और विधायक दल नेता शकील अहमद खान ने रविवार को राहुल गांधी के बिहार दौरे के बारे में जानकारी दी। राजेश राम ने बताया कि राहुल गांधी का बिहार में तीन कार्यक्रम है। वह पटना एयरपोर्ट से सीधे बेगूसराय रवाना होंगे। वह कन्हैया के साथ पलायन रोको नौकरी दो पदयात्रा में शामिल होंगे। इसके बाद पटना पहुंचकर श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल होंगे। फिर सदाकत आश्रम में पार्टी के नेताओं के साथ बैठक करेंगे। वह सभी सम्मानित नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। वह बिहार में संगठन की मजबूती को लेकर संदेश देंगे।

पंचायत स्तर पर चौपाल होगा: हर घर में तिरंगा पंचायत स्तर पर कांग्रेस को मजबूती विषय पर नेताओं को दिशा निर्देश देंगे। हर गांव में पंचायत स्तर पर चौपाल कार्यक्रम को कैसे किया जाए और अपने जिला अध्यक्षों को ताकत कैसे दें इस विषय पर विस्तृत चर्चा चलेगी। पूरे दिन भर की गतिविधि के बाद वह रात को दिल्ली रवाना हो जाएंगे। 8 अप्रैल को गुजरात में साबरमती में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी की अधिवेशन होगी। बिहार के महत्वपूर्ण कांग्रेस नेता गुजरात की बैठक में शामिल होने के लिए जाएंगे।

जदयू के नेताओं में कथनी और करनी में अंतर: कांग्रेस विधायक दल नेता शकील अहमद खान ने वक्फ बिल को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पास हो गया। संशोधन बिल पर बहुमत वोट बहुत कम का था। जबकि भाजपा ने इस बिल को देश के लिए सबसे ज्यादा जरूरी बताया था। जदयू के नेताओं में वक्फ संशोधन बिल को लेकर नाराजगी है। जदयू के नेताओं में कथनी और करनी में अंतर है जो साफ दिखाई दे रहा है। भारतीय जनता पार्टी की आइडियोलॉजी सिवाय नफरत पैदा करने और झंझटी वातावरण के अलावा कुछ नहीं है। बीजेपी जाहिलों की फौज है, घृणा की राजनीति करती है। ऐसे लोगों के साथ रहने वाले क्या करेंगे। मुस्लिम समाज के गरीब पसमांदा समाज के लिए इस बिल में कुछ खास काम नहीं किया गया जो जेडीयू और बीजेपी बोल रही है।

मोदी और संघ की मुलाकात

नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के 11 साल बाद पहली बार नागपुर स्थित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) मुख्यालय पहुंचने के कई निहितार्थ निकाले जा रहे हैं। मोदी के पहले अटल बिहारी वाजपेयी ने साल 2000 में अपने तीसरे कार्यकाल में संघ मुख्यालय का दौरा किया था। मोदी भी अपने तीसरे कार्यकाल में संघ मुख्यालय गए। स्वाभाविक तौर पर मोदी ने संघ के साथ अपने अटूट संबंधों की जुगाली की। उन्होंने 'माधव नेत्रालय प्रीमियम सेंटरÓकी आधारशिला रखने के बाद कहा कि, 'संघ भारत की अमर संस्कृति और आधुनिक अक्षयवट है, जिसके आदर्श और सिद्धांत राष्ट्रीय चेतना की रक्षा करना है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यह (संघ) देश की चेतना को ऊर्जा प्रदान करता है। हालांकि मोदी के नागपुर जाने और संघ प्रमुख सहित अन्य पदाधिकारियों से मिलने को विपक्ष भले मुद्दा बनाने की कोशिश में है, मगर भाजपा के नेताओं का वहां जाना कतई गलत नहीं माना जा सकता है। संघ से पीएम मोदी का दिलों का रिश्ता है, ये दशकों पुराना है. ये सफर 1972 में शुरू हुआ था। 1972 में नरेन्द्र मोदी संघ में शामिल हुए थे। प्रचारक बने, फिर के जरिए भाजपा में एंट्री हुई। गुजरात में संगठन की जिम्मेदारी मिली। 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बने। संघ का उन्हें मजबूत समर्थन मिला। बहरहाल, मोदी के इस दौरे को भाजपा के नये अध्यक्ष के चुनाव को लेकर विचार-मंथन के तौर पर भी देखा जा रहा है। हालांकि खुद प्रधानमंत्री इस साल सितम्बर में 75 वर्ष के हो जाएंगे। स्वाभाविक है कि उनकी उम्र और भाजपा के उम्र संबंधी नियम-कायदों का भी उनके दौरे में चिंतन-मनन होगा। 2024 में संपन्न हुए लोक सभा चुनाव में मोदी का मैजिक नहीं चल सका। पार्टी आशा के अनुरूप सीटें हासिल करने में नाकामयाब रही। लाजिमी है कि पार्टी के इस लचर प्रदर्शन को लेकर यह विश्लेषण भी सामने आया कि संघ का समर्थन शायद भाजपा को नहीं मिला। वजह चाहे जो भी हो, फिलहाल भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और संघ के शीषर्स्थ पदाधिकारियों में इस बात को लेकर गहराई से यह विमर्श हो रहा है कि पार्टी 2029 में आसन्न लोक सभा चुनाव को लेकर किस तरह की रणनीति के साथ जनता के बीच आए। इसी दरम्यिान उत्तर प्रदेश में भी-2027- में विधानसभा के चुनाव होने हैं।

अमेरिकन टैरिफ नीति में भारत को मिलता लाभ

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू किए गए नए 'पारस्परिक टैरिफ' (Reciprocal Tax) का दुनिया की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ना सुनिश्चित है। लेकिन इस टैरिफ के बारे में भारत को लेकर जितनी चिंता जताई जा रही है, वास्तव में उतनी चिंता कम से कम भारत के लिए तो नहीं है। इसे अब आप राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति झुकाव मान सकते हैं या अमेरिकन अर्थव्यवस्था को गति प्रदान कर रहे प्रवासी भारतीयों के प्रति अमेरिका की वर्तमान सरकार का सकारात्मक दृष्टिकोण, जो भी हो; इसमें कुल मिलाकर भारत का हित प्रभावित होता हुआ नहीं दिखता, बल्कि इसके उलट भारत के लिए अनेक क्षेत्रों में इस टैरिफ नीति ने नए अवसर अवश्य खोल दिए हैं। देखा जाए तो अमेरिका के टैरिफ वार से 60 से अधिक देश प्रभावित हो रहे हैं। चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा काफी अधिक है। इसलिए चीन पर उसने सबसे अधिक टैरिफ लगाया है। अमेरिका में सभी चीनी आयातों पर 54 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। वस्तुतः ट्रंप की घोषणा से अमेरिका में चीन से आयातित सभी वस्तुओं पर मौजूदा 20 प्रतिशत टैरिफ में 34 प्रतिशत तथाकथित "रेसिप्रोकल टैरिफ" जुड़ गया है। अमेरिका ने कंबोडियाई वस्तुओं पर 49 प्रतिशत, वियतनाम पर 46 प्रतिशत, श्रीलंका पर 44 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 37 प्रतिशत, स्विट्जरलैंड पर 31 प्रतिशत, दक्षिणी अफ्रीका पर 30 प्रतिशत, थाईलैंड पर 36 प्रतिशत, इंडोनेशिया और ताईवान पर 32 प्रतिशत, पाकिस्तान पर 29, भारत पर 26 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया पर 25 प्रतिशत, मलेशिया पर 24 प्रतिशत से लेकर अन्य देशों पर न्यूनतम 10 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया है। इसके साथ ही कई उत्पाद ऐसे भी हैं, जिन्हें अमेरिका ने अपनी नई टैरिफ नीति से दूर रखा है और पूरा लाभ कमाने का अवसर कई देशों के लिए खुला छोड़ दिया है। जिन वस्तुओं पर टैरिफ का असर पड़ भी रहा है, तो वह इसलिए कि उनकी मांग अमेरिका में ज्यादा है, जिसकी कि अधिकांश पूर्ति अभी चीन एवं अन्य देशों से होती है। अब इन्हीं क्षेत्रों में भारत के लिए कई नए अवसर खुल गए हैं। भारत के संदर्भ में थोड़ा पीछे जाकर अध्ययन करें तो भारत का चीन के साथ बड़ा व्यापार घाटा (ट्रेड डेफिसिट) रहा है, जो 2018-19 में लगभग 52 अरब डॉलर था। जिसे कम करने का भारत सरकार पर बहुत दबाव रहा, ऐसे में देखा गया कि मोदी सरकार ने अपनी आयात निर्भरता को कम करने के लिए स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देना शुरू किया। कई क्षेत्रों में एक साथ काम शुरू किया गया, जिसमें कि आत्मनिर्भर भारत अभियान, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्युटिकल और मेडिकल उपकरणों जैसे क्षेत्रों में स्वदेशी उत्पादन को प्रोत्साहन, मोबाइल फोन, ऑटोमोबाइल और सौर पैनल में हुए प्रयासों को देखा जा सकता है। जिसका कि अब बड़े स्तर पर परिणाम भी दिखाई दे रहा है। नए अवसरों में यदि देखें तो इलेक्ट्रॉनिक्स और मशीनरी में भारत अपनी विनिर्माण क्षमता को बढ़ाकर अमेरिकी डॉलर का एक बड़ा भंडार अपने यहां ला सकता है। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यातकों को फायदा इसलिए भी है, क्योंकि वियतनाम जैसे देशों पर उच्च टैरिफ लगाए जाने के बाद व्यापारियों की एक बड़ी उम्मीद भारत ही है। इसी तरह से चीन और थाईलैंड से आयात होने वाली मशीनरी, ऑटो पार्ट्स और खिलौनों पर पड़ने वाले असर का लाभ भारत की तरफ की ओर आता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिका में चीनी कपड़ों पर टैरिफ बढ़ने से भारतीय टेक्सटाइल इंडस्ट्री को अमेरिकी बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का एक नया अवसर मिल गया है। अमेरिका द्वारा चीन और बांग्लादेश से आयातित कपड़ों पर अधिक टैरिफ लगाए जाने से भारतीय कपड़े स्वभाविक तौर पर सस्ते हो जाएंगे, जिससे भारत के उत्पादों की मांग बढ़ेगी। यह अच्छी बात है कि आईटी क्षेत्र पर टैरिफ का प्रत्यक्ष असर नहीं पड़ता दिख रहा। हालांकि यह तय है कि अमेरिकी बाजार में मंदी और महंगाई का असर इस पर होगा, किंतु यह असर बहुत अधिक नहीं दिखता, क्योंकि आईटी प्रोफेशनल जितने अधिक सस्ते भारत के हैं, उतने अन्य किसी देश के नहीं जोकि अपने आप में श्रेष्ठ गुणवत्ता भी रखते हैं, इसलिए आगे भी आईटी सेक्टर में अमेरिकन का भरोसा भारत के प्रति बना रहेगा। इसके अलावा भारत के पास अमेरिका को सस्ते कृषि उत्पाद आयात करने का यह सुनहरा अवसर है और अपने कृषि निर्यात (जैसे चावल, मसाले, और चाय) को वह वर्तमान की तुलना में बहुत अधिक बढ़ा सकता है, क्योंकि चीन पर बढ़े हुए टैरिफ के चलते अमेरिकन कंपनियां यही चाहेंगी कि उन्हें सस्ता माल मिले, जिसकी कि आज के समय में पूर्ति करना भारत के लिए संभव है। केमिकल और फार्मास्युटिकल्स में भारतीय फार्मा इंडस्ट्री पहले से ही अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। भारत से हर साल लगभग नौ अरब डॉलर की दवा अमेरिका को निर्यात होती है जो देश का सबसे बड़ा औद्योगिक निर्यात क्षेत्र है। ऐसे में अमेरिका की यह नई नीति उसे और अधिक वैश्विक होने का अवसर प्रदान कर रही है। इसके साथ ही जिन देशों पर अमेरिका ने अत्यधिक टैरिफ दर निर्धारित की है, वह भी बदले में अपने यहां अमेरिकन वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने जा रहे हैं, कुछ ने तो अपनी बढ़ी हुई टैरिफ नीति घोषित करना भी शुरू कर दिया है। स्वभाविक है, ऐसे में भारत के लिए इन देशों में भी अपनी वस्तुओं के लिए मुफीद बाजार बनाना आसान हो गया है। सबसे ज्यादा चीन के बाद युरोप के कई देश प्रभावित हैं। चीन तो खुले तौर पर अमेरिका के विरोध में उतर आया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने साफ कहा है कि चीन अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़तापूर्वक जवाबी कदम उठाएगा। संयुक्त राज्य अमेरिका ने एकतरफा आकलन के आधार पर तथाकथित 'रेसिप्रोकल टैरिफ' तैयार किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय ट्रेड रूल के अनुरूप नहीं। उसने अमेरिका से इस नए टैरिफ को रद्द करने के लिए कहा है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका से वाहनों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है। वह अन्य कई अमेरिकन वस्तुओं पर भारी टैरिफ लगाने जा रहा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपने देश की कंपनियों से अमेरिका में निवेश को स्थगित कर देने को बोला है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने कह ही दिया है कि उन्होंने अपने देश के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी जरूरी उपाय करना शुरू कर दिए हैं। ऐसे में स्वभाविक है इन सभी देशों में और अन्य एशियाई देशों में भारत अपने माल की खपत बड़ा सकता है। हालांकि भारत को कुछ क्षेत्रों को नुकसान भी होता दिख रहा है, जैसे कि ज्वैलरी, डेयरी, ऑटो पार्ट्स जैसे कुछ क्षेत्र। क्योंकि अमेरिका को भारत हर साल लगभग 11 अरब डॉलर की ज्वैलरी निर्यात करता है, जोकि 30 प्रतिशत है। नए टैरिफ में अमेरिका ने अतिरिक्त 18 से 20 प्रतिशत की ज्वैलरी पर शुल्क बढ़ाया है । ऑटो एंसिलियरी कंपनियों के माल पर पहले जो 2.4 प्रतिशत शुल्क लगता था, वह बढ़कर 25 प्रतिशत तक हो जाने की संभावना है। किंतु इसके बाद भी जो साफ दिखाई दे रहा है, वह यही है कि अमेरिका द्वारा शुरू किए गए इस टैरिफ वॉर ने भारत को कई क्षेत्रों में और कई देशों में आर्थिक स्तर पर नए अवसर प्रदान कर दिए हैं।

सूडोकु नवताल- 7393

मध्यम

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7392 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

उच्च शिक्षा नीति में एक बड़ा बदलाव

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

मध्य प्रदेश सरकार ने उच्च शिक्षा नीति में एक बड़ा बदलाव करते हुए कई दक्षिण भारतीय भाषाओं को राज्य शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल कर बेहद सकारात्मक संदेश दिया है। अब राज्य के कॉलेजों में हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत और उर्दू के अलावा बंगाली, मराठी, तेलुगू, तमिल, गुजराती और पंजाबी जैसी भारतीय भाषाओं में भी शिक्षा दी जाएगी। इस पहल के तहत छात्रों को अपनी मातृ भाषा में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा जिससे उनकी भाषाई क्षमता और सांस्कृतिक जुड़ाव में वृद्धि होगी। त्रिभाषा फार्मूले के बाद कई दशकों से होने वाली भाषाई राजनीति के थमने के आसार बढ़ गए हैं। मध्य प्रदेश का यह कदम देश में भाषावाद की राजनीति को खत्म करने वाला और राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए बेहद महत्त्वपूर्ण हो सकता है। दरअसल, करीब छह दशक पहले भारत में त्रिभाषा फार्मूले को इसलिए प्रस्तावित किया गया था जिससे कि विविधता वाले विशाल भारत देश में बहुभाषावाद और राष्ट्रीय सद्भाव को बढ़ावा मिले तथा इसे देश की एकता और अखंडता को मजबूती मिल सके। कोठारी आयोग ने इसकी सिफारिश 1960 के दशक में की थी। यह फार्मूला भारतीय भाषाओं की समृद्धि और विविधता को बनाए रखते हुए छात्रों को विभिन्न भाषाओं के ज्ञान के माध्यम से एकता, संस्कृति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने वाला बताया गया था। त्रिभाषा फार्मूला का उद्देश्य भारतीय शिक्षा व्यवस्था में भाषाई विविधता को प्रोत्साहित करना और एकता बनाए रखना था, लेकिन इसके कई पहलुओं पर सही तरीके से अमल नहीं किया गया है। उत्तर भारत के कुछ हिस्सों खासकर हिन्दीभाषी राज्यों में दक्षिण भारतीय भाषाओं के महत्त्व को ठीक से समझने या स्वीकार करने में कुछ हद तक उपेक्षापूर्ण रवैया देखा गया। इसका असर त्रिभाषा फार्मूला और भाषाई समानता के मुद्दे पर भी पड़ा। आम तौर पर हिन्दीभाषी क्षेत्रों में महसूस किया जाता है कि हिन्दी के अलावा अन्य भाषाएं जैसे तमिल, तेलुगू, कन्नड़ या मलयालम उतनी महत्त्वपूर्ण नहीं हैं, जिससे दक्षिण भारत के लोगों को अपमान का अहसास होता है। दक्षिण भारतीय भाषाओं के महत्त्व को नकारने को दक्षिण भारत में भाषाई श्रेष्ठता और सांस्कृतिक असंवेदनशीलता की तरह लिया गया और बाद में दक्षिण भारत की राजनीति में इसे हिन्दी विरोध के रूप में प्रचारित किया गया। इससे देश में भाषा और पहचान को लेकर उत्तर भारत और दक्षिण भारत में एक लकीर खिंच गई। वास्तव में इस समय राजनीतिक दलों से अपेक्षा थी कि वे भाषा और पहचान के बीच के संबंधों को बेहतर तरीके से लोगों को समझाएं तथा समावेशी दृष्टिकोण अपना कर राष्ट्रीय एकता को मजबूती दें। लेकिन ऐसा हो न सका। इस कारण त्रिभाषा सूत्र को लागू करने में भारी समस्याएं सामने आ गईं। तमिलनाडु, पुडुचेरी और त्रिपुरा जैसे राज्य अपने स्कूलों में हिन्दी सिखाने के लिए तैयार नहीं हुए। वहीं किसी भी हिन्दीभाषी राज्य ने अपने स्कूलों के पाठ्यक्रम में किसी भी दक्षिण भारतीय भाषा को शामिल नहीं किया। उत्तर भारतीय दृष्टिकोण से दक्षिण भारत की भाषाओं को पूरी तरह से महत्व नहीं दिया जाता और धारणा बनती है कि ये भाषाएं हिन्दी के मुकाबले कम महत्त्वपूर्ण हैं। उत्तर भारत में हिन्दी का प्रभुत्व इतना गहरा है कि कई लोग इसे राष्ट्रीय एकता और पहचान का प्रतीक मानते हैं। इस मानसिकता में दक्षिण भारत की भाषाओं को शामिल करने की बजाय हिन्दी को ही देश की एकमात्र प्रमुख भाषा माना जाता है। 1960 के दशक में जब दक्षिण भारत में हिन्दी के खिलाफ विरोध हो रहा था, तो उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में इसे राष्ट्र के खिलाफ आंदोलन की तरह समझा गया था। उत्तर भारतीयों को यह महसूस नहीं हुआ कि यह केवल एक भाषा का सवाल नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक और पहचान का मुद्दा था। इस असंवेदनशीलता ने दक्षिण भारत के लोगों को आभास कराया कि उत्तर भारत उनकी सांस्कृतिक और भाषाई पहचान की कद्र नहीं करता। भारत में भाषावाद जटिल और संवेदनशील समस्या रही है, जो देश की विविधता और एकता, दोनों को प्रभावित करती है। यह मुख्यतः भाषा के आधार पर पहचान, संसाधनों के वितरण और राजनीतिक शक्ति के संघर्ष से संबंधित है। भारत में भाषा सांस्कृतिक पहचान का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है, और अपनी भाषा की रक्षा के लिए संघर्ष अक्सर भाषावाद का रूप ले लेता है। इस समय तमिलनाडु की एम के स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार और केंद्र सरकार एक बार फिर हिन्दी को लेकर आमने-सामने हैं। तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को राज्य में लागू नहीं किया है, और इसका कारण बताया है कि यह नीति हिन्दी को राज्य में थोपने की कोशिश है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में प्रस्तावित त्रि-भाषा सूत्रको तमिलनाडु समेत अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों ने खारिज कर दिया है, और आरोप लगाया है कि त्रि-भाषा सूत्र के माध्यम से सरकार शिक्षा का संस्कृतिकरण करने का प्रयास कर रही है।

मेष राशिः आज का दिन आपके जीवन में खुशियां लेकर आया है। आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जाएगा। सरकारी कार्यों में आपको बड़े लाभ की संभावना है। आज आप अपनी संतान के साथ पिकनिक के लिए जा सकते हैं। उनके साथ आप अच्छा समय बिताएंगे। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिए अपनी बेहतरीन राय देंगे, बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए आत्मविश्वास से भरा रहने वाला है। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में ख़ुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आपके व्यवहार में कुछ अच्छे बदलाव आने से आपके नए दोस्त बन सकते हैं।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। छात्र अपनी पढ़ाई को लेकर सतर्क रहेंगे। थोड़ी और मेहनत करने से सफलता अवश्य मिलेगी।

कर्क राशिः आज महाअष्टमी के दिन आपके सभी कार्य सफल होंगे। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नई बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है। बेटी के ससुराल पक्ष से बड़ी खुशखबरी मिलेगी। बच्चे आज अपने पढ़ाई के प्रति सीरियस रहेंगे। आज आपके घर नन्हे मेहमान के आगमन का योग बन रहा है।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। महिलाओं के लिए दिन शानदार रहेगा। बिजनेस मैन आज कोई जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। आज कार्यों में आपको माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा। लवमेट अपने रिश्ते की बात घर पर कर सकते है, घर वाले भी आपके रिश्ते से सहमत होंगे। छात्रों के लिए आज का दिन शानदार रहने वाला है। किसी प्रतियोगी परीक्षा का परिणाम उनके पक्ष में आयेगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। जो लोग किसी नए काम में इंवेस्ट करने की सोच रहे हैं, वो फिलहाल इसे टाल दें। माता-पिता आज किसी धार्मिक स्थल पर घूमने जाएंगे। कार्यों में जीवनसाथी का सहयोग मिलने से मन प्रसन्न रहेगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। अगर आप आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी भी योजनाएं बनाएंगे जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। पारिवारिक समस्याओं को सॉल्व करने में बड़े-बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा। किसी यात्रा पर जाने का मन बना रहें है तो जरूरत का सामान लेना न भूले।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। माता महागौरी की कृपा से आपका जीवन खुशियों से भरा रहेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते है वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगें। पिता से आज आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज ऐसी पुरानी चीज आपके हाथ लग सकती है, जिसे पा कर आपको खुशी महसूस होगी।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू काम काज में लगेगा। आज बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को कह सकते हैं।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए नई खुशियां लेकर आया है। आपके दोस्त आपसे मदद मांगेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप शॉपिंग करने का मन बनायेंगे। आज आप अपनी बहन को कुछ गिफ्ट दे सकते हैं, जिससे आपका रिश्ता मजबूत बनेगा।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। परिवार वालों के साथ आज देवी दर्शन के लिए जाएंगे। आज नई स्किल सीखने का विचार कर सकते है जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा। आज नया वाहन आप खरीदने का मन बना सकते हैं।

मीन राशिः आज का दिन आपके खास रहने वाला है। रुपए-पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुकसान से बच जाएंगे। टूर-ट्रेवल्स और मीडिया संबंधी बिजनेस में नया मोड़ आ सकता है। आज आपको किसी करीबी से ऐसी सलाह मिलेगी, जिससे आपको काफी फायदा होगा। आप आर्थिक मामलों में किसी एक्सपर्ट से सलाह लेंगे, यह सलाह मददगार साबित होगी।

घरेलू हिंसा और झूठे मुकदमों से घुटते पुरुष

रेखा शाह आरबी

हमारे देश में महिला सुरक्षा एक ज्वलंत और महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है । आधुनिक समाज और सरकार की यह मंशा रही है कि महिलाएं किसी भी प्रकार के हिंसा उत्पीड़न और दुर्व्यवहार से सुरक्षित रहे। समाज में महिलाओं को सुरक्षित माहौल मिले और काम करने का अधिकार मिले और वह आत्मनिर्भर बनकर समाज को सशक्त बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।इसके लिए भरसक प्रयास किया गया है । इसके लिए महिलाओं के हित सुरक्षा के लिए अनेक कानून और नीतियां है । जो उन्हें समाज में समान स्थान दिलाने के लिए जरूरी भी था। दहेज प्रथा भारतीय समाज और महिलाओं के लिए एक अभिशाप था। और इसके उन्मूलन के लिए कानूनी प्रावधान रुपी सशक्त कानून दहेज प्रतिषेध अधिनियम (1961) बनाया गया जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए का उद्देश्य दहेज की प्रताड़ना से प्रताड़ित महिलाओं का उत्पीड़न रोकने के लिए बनाया गया था । जो काफी कारगर भी सिद्ध हुआ है । इस कानून के कारण महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण सुरक्षा बहुत हद तक मिल रहा है । जिससे वह अपना सुरक्षित विकास कर सके। अपने देश में जब भी सामाजिक न्याय ,शोषण, लैंगिक समानता की चर्चा उठती है । तब सिर्फ महिलाओं को ही शोषित और प्रताड़ित माना जाता है जो कि सर्वथा अनुचित है। पुरुष भी प्रताड़ना के शिकार होते हैं घरेलू हिंसा के शिकार होते हैं । उनके साथ भी अनुचित और घोर अमानवीय व्यवहार होता है। पुरुष को भी घरेलू हिंसा से टॉर्चर किया जाता है और झूठे मुकदमों में फंसा कर उन्हें प्रताड़ित किया जाता है। दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 जैसा एक तरफा कानून होने के वजह से पुरुषों को अपनी सुरक्षा के लिए कानूनी संरक्षण नही प्राप्त हो पाता है । जिसके कारण वह खुद को लाचार और असहाय महसूस करते हैं। कुछ महिलाएं 498ए धारा को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने लगी हैं ।और दुर्भावना से प्रेरित होकर निर्दोष पुरुष और उनके परिवारों को इस कानून के दायरे में फंसाने के लिए उपयोग करने लगी हैं। आप सोच कर देखिए यदि कोई महिला अपनी गलत मंशा की पूर्ति के लिए यदि इस कानून का अपने ससुराल वालों के खिलाफ इस्तेमाल करती है। या पति के खिलाफ इस्तेमाल करती है तो वह कितने असहाय हो जाते हैं। और इसके अलावा हमारे समाज की मानसिकता ऐसी है कि जब भी स्त्री और पुरुष में कोई विवाद का मामला सामने आता है । तो बिना विचार किये पुरुषों को दोषी और अपराधी बता दिया जाता है। जबकि पुरुष भी दोषी हो सकता है महिला भी दोषी हो सकती है इसका पूरी संभावना रहती है। अधिकांश पुरुष अपने घर की बातें समाज में ले जाने से भी अक्सर कतराते है । क्योंकि उसे उसी समाज में रहना होता है ।और वह अपनी जग हंसाई से डरता है । और जब भी पुरुष दहेज के झूठे मुकदमे में फंसता है या घरेलू हिंसा का शिकार होता है तो वह ज्यादातर घुट घुट कर जीने को मजबूर हो जाता है। क्योंकि वह जानता है कि ज्यादातर लोगों की सहानुभूति बिना हकीकत को जाने महिला पक्ष की तरफ रहेगी। उसका आत्मविश्वास पहले ही टूट जाता है। और पुरुष प्रताड़ना का सबसे ज्यादा आधार बनते हैं वह नियम जो स्त्रियों को सुरक्षा देने के लिए बनाए गए । किसी भी वैवाहिक जीवन में विवाद की स्थिति आने पर दहेज प्रतिषेध अधिनियम (1961) के कानून धारा 498ए का पत्नि और उनके परिवार वाले नाजायज और अनुचित फायदा उठाते हैं। और उन्हें कानून के आधार पर डरा धमकाकर अपनी अनुचित और नाजायज मांगो की पूर्ति करते हैं। और पुरुष अपने परिवारजन और अपने आप को बचाने के खातिर ब्लैकमेल होता रहता है। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए, जो एक विवाहित महिला के प्रति उसके पति या पति के रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता से संबंधित है, अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 85 में शामिल की गई है। इस नए प्रावधान में मूल रूप से वही अपराध परिभाषित है, जिसमें किसी महिला के प्रति क्रूरता (शारीरिक, मानसिक या भावनात्मक) को दंडनीय बनाया गया है, और इसमें कारावास की सजा, जो तीन साल तक हो सकती है, के साथ-साथ जुर्माना भी शामिल है। कई बार इन कानूनो के वजह से ऐसा हो जाता है कि जहां तक उसके बर्दाश्त की सीमा होती है वहां तक वह यह प्रताड़ना झेलता रहता है। और जब यही प्रताड़ना हद से ज्यादा बढ़ जाती है तो वह सुसाइड की तरफ अपना कदम बढ़ा लेता है।

और इसके एक नहीं अनेक समाज में उदाहरण देखने को मिल रहे हैं। ऐसे प्रताड़ना के शिकार होकर मरने वाले पुरुषों की संख्या दिन-ब-दिन आश्चर्यजनक रूप से बढ़ती ही जा रही है। उदाहरण के लिए आगरा निवासी टीवीएस कंपनी के मैनेजर मानव शर्मा, बेंगलुरु के एआई इंजीनियर अतुल सुभाष, दिल्ली के सॉफ्टवेयर इंजीनियर सतीश या इनके जैसे अनेक नाम मात्र घरेलू हिंसा और पत्नी प्रताड़ना के वजह से अपनी जीवन लीला समाप्त कर लिए। यह दो-तीन नाम तो मात्र चर्चा में आए और सुर्खियों में आने के कारण लोग जान रहे हैं। लेकिन इनके अलावा भी हजारों ऐसे लोग हैं जो घोर प्रताड़ना के शिकार हैं । और जिनकी खोज खबर लेने वाला भी कहीं कोई नहीं है। वह मर मर कर जीने को मजबूर है । यह सब कोई अशिक्षित, बेरोजगार युवा नहीं है बल्कि समाज में अच्छे ओहदे पर कार्यरत और पढ़े लिखे युवा थे । सोच कर देखिए इतने अच्छे ओहदो पर अपनी बुद्धि ,क्षमता, कार्य कुशलता से पहुंचने वाले युवा आखिर ऐसी कौन सी स्थिति बन रही है कि अपने आप को खत्म कर ले रहे हैं। इस सवाल का जवाब समाज को ढूंढना बहुत जरूरी है। इस पर समाज को विचार करने की बेहद आवश्यकता है। यदि ऐसा ही चलता रहा तो पुरुष वर्ग का विवाह नामक संस्था से विश्वास पूर्णतया उठ जाएगा। जो समाज में और भी अराजकता और दुराचार फैलाने का कारण बनेगा। 498ए धारा का दुरुपयोग हजारों पुरुषों के जीवन को पूरी तरह तहस-नहस कर देता है । क्योंकि इस कानून के कारण उनको न्याय के लिए बुरी तरह भटकना पड़ता है । किंतु उसे उम्मीद की किरण नहीं दिखाई देती है। और यही निराशा उसकी जान ले लेती है। एनसीआरबी के आंकड़े के अनुसार 498ए के तहत दर्ज मामलों में लगभग 74 प्रतिशत कोई ठोस सबूत नहीं मिला । 90 प्रतिशत मामलों में पुरुष को अंततः बरी कर दिया गया क्योंकि वह निर्दोष थे। लेकिन इस प्रक्रिया, अवधि में उन्हें सामाजिक, आर्थिक ,मानसिक प्रताड़ना का बुरी तरह शिकार होना पड़ा । जिससे वह टूट जाते हैं और वह इसलिए टूट जाते हैं क्योंकि उनकी बरसों की कमाई, मान, प्रतिष्ठा सब कुछ तहस-नहस कर दिया जाता है। एक पुरुष के लिए उसकी सामाजिक मान , प्रतिष्ठा और उसकी आर्थिक स्थिति काफी महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

राजस्थान रॉयल्स की धमाकेदार जीत, पंजाब किंग्स को उसके घर में 50 रनों से हराया

मोहाली। आईपीएल के 18वें सीजन में शनिवार को खेले गए मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को उसके घरेलू मैदान मुल्लांपुर में 50 रनों से करारी शिकस्त दी। पंजाब की यह इस सीजन की पहली हार रही, जबकि राजस्थान ने दमदार वापसी के संकेत दिए हैं। मैच की शुरुआत पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर द्वारा टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लेने से हुई। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 205 रन बनाए। यशस्वी जायसवाल ने तूफानी अंदाज में 67 रन (45 गेंद, 3 चौके, 5 छक्के) की पारी खेली, जबकि संजू सैमसन ने 38 रन बनाए। अंतिम ओवर्स में रियान पराग (नाबाद 43) और ध्रुव जुरेल (13) ने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में बल्लेबाजी

करने उतरी पंजाब की टीम दबाव में दिखी। पहले ही ओवर में जॉफ्रा आर्चर ने प्रियांस आर्या को बोल्ड कर शुरुआत में ही झटका दिया। अगले ही ओवर में श्रेयस अय्यर भी आर्चर की गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद बल्लेबाजों के आउट होने की लाइन लग गई। प्रभसिमरन सिंह और मार्कस स्टोइनिस भी जल्दी पवेलियन लौटे। हालांकि नेहाल वढेरा (62 रन) और ग्लेन मैक्सवेल (30 रन) ने 88 रनों की साझेदारी कर मैच में जान फूंक दी, लेकिन 15वें ओवर के बाद दोनों के आउट होते ही पंजाब की पारी बिखर गई। पूरी टीम 20 ओवर में 155 रन ही बना सकी। राजस्थान की ओर से आर्चर ने तीन, संदीप शर्मा और मथीशा तीक्षणा ने दो-दो विकेट लिए। हसारंगा और कुमार कार्तिकेय को एक-एक सफलता मिली। कप्तान सैमसन के नाम रिकॉर्ड आज के मैच में मिली जीती के बाद संजू सैमसन ने राजस्थान रॉयल्य के कप्तान के रूप में इतिहास रच दिया। उन्होंने आईपीएल इतिहास में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान के रूप में सबसे अधिक जीत के रिकॉर्ड के लिए दिग्गज 'स्वर्गीय' शेन वार्न को पीछे छोड़ दिया है। ऑस्ट्रेलियाई आइकन ने 55 मैचों में 31 जीत दर्ज की थीं, लेकिन आज पंजाब के हराते ही यह रिकॉर्ड अब संजू सैमसन के नाम हो गया। संजू की कप्तानी में राजस्थान ने 62 मैचों में 32 में जीत दर्ज की है।

संन्यास की अफवाहों के बीच धोनी का आया बड़ा बयान, बोले- अभी मेरे पास समय है

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी का संन्यास की अफवाहों के बीच बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने खुद संन्यास के सवाल पर जवाब दिया है। उन्होंने साफ कर दिया है कि वह अभी कहीं नहीं जा रहे। उनके पास अभी समय है यह तय करने के लिए वह आगे खेल सकते हैं या नहीं। दरअसल, शनिवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के 17वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स का दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच था। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में हुए मैच में दिल्ली ने 25 रन से जीत दर्ज की। इस मैच को देखने धोनी के माता-पिता भी स्टेडियम पहुंचे थे। धोनी की पत्नी साक्षी और बेटी जीवा भी मौजूद थीं। इसी दौरान धोनी के संन्यास की अफवाह ने जोर पकड़ा था। हालांकि, मैच के बाद धोनी ने ऐसी कोई घोषणा नहीं की। अब धोनी ने अपने आईपीएल संन्यास को लेकर इन सारी अफवाहों पर विराम पूरी तरह से लगा दिया है। धोनी ने राज शमानी के साथ पॉडकास्ट में पुष्टि की कि वह इस सीजन के अंत में अपने करियर को अलविदा नहीं कह रहे हैं। उन्होंने संन्यास के सवाल पर कहा कि नहीं, अभी नहीं, मैं अभी भी आईपीएल में खेल रहा हूं और मैंने इसे बहुत सरल रखा है। मैं इसे एक बार में एक साल के हिसाब से देखता हूं। मैं 43 वर्ष का हूं, इस जुलाई तक मैं 44 वर्ष का हो जाऊंगा। मेरे पास यह निर्णय लेने के लिए 10 महीने हैं कि मुझे एक और वर्ष खेलना है या नहीं।

उन्होंने कहा कि यह मैं नहीं हूं जो निर्णय ले रहा हूं, यह शरीर है जो आपको बताता है कि आप कर सकते हैं या नहीं। अभी जो करने की जरूरत है, उस पर पूरा ध्यान केंद्रित है। 8-10 महीने बाद देखेंगे। इससे पहले सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने भी संन्यास के सवाल पर जवाब दिया था। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि नहीं, उनके सफर को खत्म करना मेरा काम नहीं है। मुझे नहीं पता है। मैं बस उनके साथ काम करने का आनंद ले रहा हूं। वह अभी भी मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं। मैं इन दिनों पूछता भी नहीं। धोनी का आईपीएल 2025 में कुछ खास प्रदर्शन देखने को नहीं मिला है। धोनी मुंबई इंडियंस के खिलाफ बल्लेबाजी नहीं कर पाए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ वह काफी लेट बल्लेबाजी करने आए और 16 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए लेकिन टीम को जिता नहीं पाए। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 16 रन बनाकर आउट हुए। फिर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 30 रन बनाकर नाबाद रहे, लेकिन वहां भी वह सीएसके को जीत नहीं दिला पाए।

मुम्बई इंडियंस ने आरसीबी के खिलाफ मुकाबले से पहले बुमराह को शामिल किया

मुंबई। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह आईपीएल खेलने के लिए तैयार हैं। बुमराह को मुंबई इंडियंस ने सोमवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ होने वाले मुकाबले से पहले शामिल किया है। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गये थे। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम से बाहर हैं। अब आईपीएल के जरिये बुमराह की वापसी हो रही है। बुमराह पिछले पांच सप्ताह से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में रिहैब के दौर से गुजर रहे थे। इस तेज गेंदबाज ने मुम्बई के साथ आने की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट में साझा की है। एक रिपोर्ट के अनुसार बुमराह अभ्यास मैच खेलने और उसके बाद मेडिकल टीम से अनुमति मिलने के बाद ही अपनी टीम के शिविर में शामिल हुए है पर अभी भी वह आरसीबी

के खिलाफ अंतिम ग्यारह में शामिल रहेंगे या नहीं कहा नहीं जा सकता। माना जा रहा है कि आरसीबी के खिलाफ मैच में खेलने का फैसला वह मुख् कोच महेला जयवर्धने से बातचीत के बाद करेंगे। साल 2013 में आईपीएल में पदार्पण करने के बाद से ही बुमराह मुम्बई के मुख्य खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने टीम की ओर से 133 मैचों में 165 विकेट लिए हैं।

भारतीय हॉकी सितारों ने खेल के माध्यम से शांति का किया समर्थन

नई दिल्ली। हर साल 6 अप्रैल को मनाए जाने वाले 'विकास और शांति के लिए अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस' के अवसर पर भारतीय हॉकी सितारे वैश्विक #व्हाइटकार्ड अभियान में शामिल हुए और खेल के माध्यम से शांति आंदोलन के लिए एकजुटता दिखाई। खेल में अन्य कार्डों की तरह व्हाइट कार्ड भी शक्तिशाली प्रतीकवाद रखता है लेकिन दंडात्मक कार्डों के विपरीत, व्हाइट कार्ड शांति, समावेश और आशा का प्रतीक है। हॉकी इंडिया के अनुसार इस वर्ष का अभियान एक गंभीर वैश्विक मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करता है-460 मिलियन बच्चे संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं, जो खेल के मैदान जैसे सुरक्षित स्थानों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच से वंचित हैं। इन चुनौतीपूर्ण वातावरणों में, खेल सिर्फ एक खेल से कहीं अधिक हो बन जाता है, यह एक जीवन रेखा बन जाता है, जो सहयोग, आपसी सम्मान और लचीलेपन जैसे कौशल का पोषण करता है। भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ियों ने इस अवसर को चिह्नित करने के लिए विशेष संदेश साझा किए। भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी फॉरवर्ड लालरेम्सियामी ने हॉकी इंडिया की ओर से बयान में

कहा कि खेल में बाधाओं को तोड़ने और लोगों को एकजुट करने की शक्ति है, चाहे उनकी पृष्ठभूमि या भाषा कुछ भी हो। #व्हाइटकार्ड अभियान उन मूल्यों को दर्शाता है जिनके अनुसार हम मैदान पर और मैदान के बाहर जीते हैं- सम्मान, टीमवर्क और शांति। मुझे अपना व्हाइटकार्ड उठाने और हर जगह बच्चों के लिए एक अधिक समावेशी और सुरक्षित दुनिया का आह्वान करने में गर्व है। भारतीय टीम की गोलकीपर सविता ने कहा, "मैंने खुद देखा है कि खेल किस तरह से जीवन को बदल देता है। इसने मुझे आत्मविश्वास और उद्देश्य दिया और यह संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों के लिए भी ऐसा ही कर सकता है।

भारत से टेस्ट सीरीज खेलने से पहले इंग्लैंड को झटका, स्टोन की होना है सर्जरी

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के बाद भारत को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड के दौरे पर जाना है। यह सीरीज जून से शुरु होगी और अगस्त तक चलेगी। इस सीरीज से पहले इंग्लैंड टीम को झटका लगा है, क्योंकि भारत के खिलाफ इस सीरीज से पहले तेज गेंदबाज ओली स्टोन चोटिल हैं और उनका सीरीज में खेलना मुश्किल है। यह निराशाजनक है कि वह बार-बार फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं। उन्होंने अब तक पांच टेस्ट मैच खेले हैं। पिछला टेस्ट अगस्त-सितंबर में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। अब तक वह टेस्ट में 17 विकेट ले चुके हैं। स्कैन से पता चला है कि उन्हें सर्जरी की जरूरत पड़ेगी, जो कि इस हफ्ते होना है। उन्हें 14 हफ्ते आराम करने की सलाह दी गई हैं। ऐसे में इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और नॉटिंघमशायर की मेडिकल टीम उनकी चोट पर नजर रखे हैं।

माना जा रहा है कि भारत के खिलाफ इंग्लैंड के पेस अटैक पर इसका असर पड़ेगा। खासकर जब मार्क वुड और ब्रायडन कार्से जैसी और भी खिलाड़ी चोट से जूझ रहे हैं। भारतीय टीम और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 से 24 जून तक लीड्स में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से 6 जुलाई बर्मिंघम में, तीसरा टेस्ट मैच 10 जुलाई से 14 जुलाई तक लंदन में, चौथा टेस्ट 23 से 27 जुलाई मैनचेस्टर में और पांचवा और आखिरी टेस्ट मैच 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच लंदन में खेला जाएगा।

व्यापार

अप्रैल के पहले 4 दिनों में विदेशी निवेशक बने बिकवाल, स्टॉक मार्केट में 10,355 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान करने के कारण दुनिया भर के बाजार में मचे हड़कंप का असर घरेलू शेयर बाजार पर भी काफी नकारात्मक रूप में हुआ है। महीने के पहले चार कारोबारी दिनों के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने कुल 10,355 करोड़ रुपये की निकासी की है। इसके ठीक पहले मार्च के आखिरी 6 कारोबारी दिनों के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजार में 30,927 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार मार्च के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने कुल 34,900 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की थी, जबकि महीने के आखिरी 6 दिनों में 30,927 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की थी। इस तरह मार्च के महीने में एफपीआई की कुल निकासी 3,973 करोड़ रुपये रही थी। मार्च के पहले फरवरी में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 34,574 करोड़ रुपये की निकासी की थी। जनवरी में निकासी का ये आंकड़ा 78,027 करोड़ रुपये रहा था। मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाले

दिनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निगाह अमेरिका की नई टैरिफ पॉलिसी की वजह से बाजार पर पड़ने वाले असर और इस सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक की मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की मीटिंग के नतीजे पर टिकी रहने वाली है। मार्केट एक्सपर्ट्स को उम्मीद है कि रिजर्व बैंक की मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी इस बार ब्याज दरों में कटौती कर सकती है। ब्याज दरों में होने वाला कोई भी परिवर्तन स्टॉक मार्केट में घरेलू और विदेशी निवेशकों की इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटजी को आखिरी रूप देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना का कहना है कि अमेरिकी प्रशासन की ओर से लादे गए टैरिफ का बोझ उम्मीद से काफी अधिक है। इसी वजह से उसके व्यापक आर्थिक प्रभाव को लेकर बाजार में चिंता का माहौल बना हुआ है। इस रेसिप्रोकल टैरिफ के कारण खुद अमेरिका महंगाई और मंदी की चपेट में आ सकता है। यही कारण है कि पिछले दो कारोबारी सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इन दो सत्रों में एसएंडपी 500 इंडेक्स और नैस्डेक में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आ गई। कहा जा रहा है कि अमेरिकी बाजार में आई गिरावट का असर वैश्विक स्तर पर ज्यादातर स्टॉक मार्केट पर पड़ेगा। इसके साथ ही इस टैरिफ पॉलिसी के कारण दुनिया भर में ट्रेड वॉर शुरू होने का खतरा बन गया है, जिससे ग्लोबल ट्रेड और इकोनॉमिक ग्रोथ के प्रभावित होने का भी खतरा बन गया है। इसलिए अभी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की ओर से सतर्क रुख अपनाए जाने की उम्मीद है। इसका एक अर्थ ये भी है कि आने वाले दिनों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक अपने पैसे को सुरक्षित करने के लिए स्टॉक मार्केट में बिकवाली का दबाव जारी रख सकते हैं।

साप्ताहिक समीक्षा : घरेलू सर्राफा बाजार में सोना गिरा, 10 हजार रुपये तक सस्ती हुई चांदी

- **राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 90,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर**

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी में गिरावट का रुख नजर आ रहा है। गुजरे सप्ताह में उतार-चढ़ाव को मिलाकर 24 कैरेट सोना 540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह 22 कैरेट सोना की कीमत 500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक घट गई है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 90,660 रुपये से लेकर 90,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 83,100 रुपये से लेकर 83,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में पिछले एक सप्ताह में करीब 10 हजार रुपये तक की गिरावट दर्ज की गई है। इस जबरदस्त गिरावट के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 94,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 90,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 83,250 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 90,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 83,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 90,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 83,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 90,660

रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 83,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 90,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 83,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 90,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 83,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 90,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 83,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 90,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 83,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

बीएसएनएल जोधपुर का एफटीटीएच में दमदार प्रदर्शन, ग्राहक सेवा पर फोकस

जोधपुर। बीएसएनएल ने मार्च महीने में एफटीटीएच (फाइबर टू द होम) कनेक्शनों में राजस्थान में शीर्ष स्थान हासिल करके दूरसंचार क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। यह सफलता न केवल बीएसएनएल की तकनीकी क्षमता को दर्शाती है, बल्कि क्षेत्र में डिजिटल कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग को भी उजागर करती है। बीएसएनएल जोधपुर ने इंटरप्राइजेज बिजनेस, लीड सर्किट्स और मोबाइल सिम सेल्स में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है, जिससे कंपनी की राजस्व वृद्धि और बाजार हिस्सेदारी में इजाफा हुआ है। इस प्रदर्शन ने ग्राहकों के बीच बीएसएनएल के प्रति विश्वास को मजबूत किया है, जो कंपनी के दीर्घकालिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। ग्राहकों की

संतुष्टि को और बढ़ाने के लिए, बीएसएनएल जोधपुर ने अप्रैल को ग्राहक सेवा माह के रूप में घोषित किया है। इस दौरान, कंपनी विभिन्न ग्राहक-केंद्रित गतिविधियों का आयोजन करेगी, जिसमें विशेष शिकायत निवारण शिविर भी शामिल हैं। यह कदम बीएसएनएल को अपने ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाने और उनकी वफादारी को सुरक्षित रखने में मदद करेगा। ग्राहकों की सुविधा के लिए, बीएसएनएल ने सप्ताह के प्रत्येक दिन अलग-अलग गतिविधियों की योजना बनाई है, जिसमें ग्राहकों की समस्याओं का समाधान, भागीदारों के साथ समन्वय बैठकें, क्षेत्रीय भ्रमण और इंटरप्राइजेज ग्राहकों के साथ बैठकें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, ग्राहक सीधे फोन नंबर और व्हाट्सएप हेल्पलाइन के माध्यम से भी अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। बीएसएनएल जोधपुर का यह दृष्टिकोण न केवल ग्राहकों की संतुष्टि को बढ़ाता है, बल्कि कंपनी को प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने में भी मदद करता है। ग्राहक सेवा पर ध्यान केंद्रित करके, बीएसएनएल न केवल नए ग्राहकों को आकर्षित कर सकता है, बल्कि मौजूदा ग्राहकों को भी बनाए रख सकता है, जो दीर्घकालिक व्यावसायिक सफलता के लिए महत्वपूर्ण है।

भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में बढ़ रही आदिवासी उद्यमियों की भूमिका : केंद्र

नई दिल्ली। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि कम से कम 45 स्टार्टअप ने भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में आदिवासी उद्यमियों की बढ़ती भूमिका को प्रदर्शित किया है। यह आदिवासी प्रतिभाओं को सशक्त बनाने में एक बड़ी उपलब्धि है। हाल ही में संपन्न 'स्टार्टअप महाकुंभ' में, आईआईएम कोलकाता और आईआईटी गुवाहाटी में इनक्यूबेट किए गए आदिवासी उद्यमियों के नेतृत्व वाले दो स्टार्टअप को केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से राष्ट्रीय मान्यता मिली। जनजातीय कार्य मंत्रालय में केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने इन स्टार्टअप को उनके इनोवेशन और समुदाय के विकास के प्रति समर्पण के लिए बधाई दी। इस कार्यक्रम में उन्होंने राष्ट्रीय मंच पर आदिवासी भारत की आकांक्षाओं और क्षमता का प्रतिनिधित्व करने के लिए सभी भाग लेने वाले उद्यमियों के प्रयासों की सराहना की। गंगटोक बेस्ड आवरगेस्ट ट्रैवल्स को डी2सी (डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर) पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पूर्वोत्तर के पहले ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर (ओटीए) के रूप में, यह सिक्किम, उत्तर बंगाल, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और जम्मू और कश्मीर में होमस्टे, फार्मस्टे, रिसॉर्ट और गाइडेड अनुभवों का एक क्यूरेटेड कलेक्शन प्रदान करता है। 600 से ज्यादा होमस्टे और 50 प्लस गाइड के साथ, इस प्लेटफार्म ने 6,000 से ज्यादा यात्रियों को सेवा दी है और ग्रामीण आजीविका और इको-टूरिज्म का समर्थन किया है। यह मान्यता मंत्रालय के 100-दिवसीय एजेंडे के तहत दी गई है, जिसमें एक मजबूत आदिवासी स्टार्टअप इकोसिस्टम बनाने में मदद मिलेगी है। आईआईटी गुवाहाटी में इनक्यूबेट किए गए, न्गुरी ऑर्गेनिक को टिकाऊ कृषि में अपने परिवर्तनकारी काम के लिए एग्रीटेक अवार्ड मिला।

सेंसेक्स की शीर्ष नौ कंपनियों का मार्केट कैप 2.94 लाख करोड़ घटा

मुंबई। पिछले सप्ताह कम कारोबारी सत्रों के दौरान सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 2,94,170.16 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और आईटीसी के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। भारती एयरटेल एकमात्र कंपनी रही, जिसकी बाजार हैसियत बढ़ी है। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 1,10,351.67 करोड़ रुपये घटकर 11,93,769.89 करोड़ रुपये

रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 95,132.58 करोड़ रुपये घटकर 16,30,244.96 करोड़ रुपये पर और इन्फोसिस का 49,050.04 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 6,03,178.45 करोड़ रुपये पर आ गया। बजाज फाइनेंस की बाजार हैसियत 14,127.07 करोड़ रुपये घटकर 5,40,588.05 करोड़ रुपये रही। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 9,503.66 करोड़ रुपये घटकर 9,43,264.95 करोड़ रुपये पर आ गया। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 8,800.05 करोड़ रुपये घटकर 13,90,408.68 करोड़ रुपये पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का मूल्यांकन 3,500.89 करोड़ रुपये घटकर 5,27,354.01 करोड़ रुपये रह गया। भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 3,391.35 करोड़ रुपये घटकर 6,85,232.33 करोड़ रुपये रहा। आईटीसी की बाजार हैसियत 312.85 करोड़ रुपये घटकर 5,12,515.78 करोड़ रुपये पर आ गई। इस रुख के विपरीत भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 7,013.59 करोड़ रुपये बढ़कर 9,94,019.51 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

टीजर ने मचाया धमाका, अब 7 अप्रैल को रिलीज होगा इमरान हाशमी की फिल्म ग्राउंड जीरो का ट्रेलर

एक्सेल एंटरटेनमेंट अपनी अपकमिंग एक्शन थ्रिलर 'ग्राउंड जीरो के साथ एक बेहतरीन बहादुरी और जज़्बे की कहानी लेकर आ रहा है. फिल्म में इमरान हाशमी बीएसएफ डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे के दमदार किरदार में नजर आएंगे, जिन्होंने एक गुप्त मिशन को अंजाम दिया था, जिसने इतिहास की दिशा बदल दी. 2015 में इस मिशन को बीएसएफ के पिछले 50 सालों में सबसे बेहतरीन मिशन के रूप में सम्मानित किया गया था. फिल्म का जबरदस्त टीजर पहले ही धमाल मचा रहा है और अब मेकर्स एक और बड़ा धमाका करने के लिए तैयार हैं. जल्द ही मच अवेटेड ट्रेलर रिलीज किया जाएगा, जो दर्शकों की एक्साइटमेंट को डबल कर देगा. रिपोर्ट्स के मुताबिक, 'ग्राउंड जीरो का मच अवेटेड ट्रेलर 7 अप्रैल 2025 को एक ग्रैंड इवेंट में लॉन्च किया जाएगा. इस खास मौके पर इमरान हाशमी, साई ताम्हणकर, प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी, डायरेक्टर तेजस देओस्कर और जोया अख्तर मौजूद रहेंगे. फिल्म में शानदार स्टारकास्ट भी शामिल है, जिसमें साई ताम्हणकर, जोया हुसैन, मुकेश तिवारी, दीपक परमेश, ललित प्रभाकर, रॉकी रैना और राहुल वोहरा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे. 2001 में हुए भारतीय संसद हमले की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म बीएसएफ डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे और उनकी टीम की कहानी दिखाएगी, जो इस हमले के मास्टरमाइंड गाजी बाबा का पर्दाफाश करते हैं. ट्रेलर में एक जबरदस्त थ्रिलर झलक मिलेगी, जो दर्शकों को इस सच्ची घटना से जुड़ी रोमांचक कहानी का अहसास कराएगी. एक्सेल एंटरटेनमेंट की पेशकश ग्राउंड जीरो एक दमदार एक्शन थ्रिलर के रूप में 25 अप्रैल 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है. फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है, जबकि डायरेक्शन की कमान तेजस देओस्कर ने संभाली है. इस प्रोजेक्ट को कासिम जगमगिया, विशाल रामचंदानी, संदीप सी सिधवानी, अर्हान बगाती, टैलीजमैन फिल्म्स, अभिषेक कुमार और निशिकांत रॉय ने को-प्रोड्यूस किया है. इस जबरदस्त फिल्म का इंतजार कर रहे दर्शकों के लिए ग्राउंड जीरो अप्रैल 2025 की मच अवेटेड रिलीज में से एक होने जा रही है.

51 साल की मलाइका अरोड़ा ने कैमरे के सामने गिराई हुस्न की बिजलियां

एक्ट्रेस की हॉटनेस देख हैरत में पड़े फैंस

बॉलीवुड की फिटनेस और फैशन क्वीन मलाइका अरोड़ा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। एक्ट्रेस भले ही इन दिनों किसी फिल्म में नहीं नजर आ रही हैं, लेकिन वो आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। अब हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा हमेशा अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से फैंस के बीच लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से छाने लगता है। बता दें कि एक्ट्रेस बॉलीवुड की सबसे फिट लेडी हैं और आए दिन अपनी तस्वीरों से फैंस का अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा भले ही 51 साल की हो चुकी हैं, लेकिन अभी भी अपनी हॉटनेस से इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं। अब हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका सिजलिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से मंत्रमुग्ध हो गए हैं। मलाइका अरोड़ा की लेटेस्ट तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने ब्लैक कलर का बेहद ही स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों का स्टाइलिश लुक में बन बनाकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से कंप्लीट किया है। उनका ये कातिल अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लग गया है। बता दें कि मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। मलाइका अरोड़ा जब भी अपनी फोटोज अपलोड करती है तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

सिकंदर ने वर्ल्डवाइड 4 दिनों में कमा लिए 150 करोड़, भारत में 100 करोड़ का आंकड़ा किया पार

सिकंदर ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर महज चार दिनों में 150 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, हालांकि सिकंदर की चौथे दिन की कमाई में बड़ी गिरावट दर्ज हुई, लेकिन फिल्म की कमाई अभी भी दो डिजिट में हो रही है. सिकंदर अपनी रिलीज के 4 दिन पूरे कर चुकी है और अब पांचवें दिन में चल रही है. सिकंदर ने तीन दिनों में ही भारत में 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था. अब सलमान खान के पिटारे में एक और 150 करोड़ी फिल्म आ गई है. वहीं, सिकंदर सलमान खान की 18वीं 100 करोड़ी फिल्म बन गई है. सिकंदर के मेकर्स नाडियाडवाला ग्रैंड सन ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म की कमाई की पूरा ब्योरा शेयर कर दिया है. फिल्म ने चौथे दिन भारत में 13.85 करोड़ रुपये और ओवरसीज में 3.5 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है. सिकंदर ने पहले दिन 35.47 करोड़ रुपये से खाता खोला था. दूसरे दिन 39.37 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 27.16 करोड़ रुपये, और चौथे दिन 13.85 करोड़ रुपये कमाए हैं. इसी के साथ सिकंदर का भारत में कुल कलेक्शन 115.85 करोड़ रुपये का हो गया है. सिकंदर ओवरसीज में अबतक इन चार दिनों में 42.65 करोड़ रुपये कमा चुकी है. सलमान खान की फिल्म सिकंदर से मेकर्स को बड़ी उम्मीद थी, लेकिन फिल्म कुछ खास कमाल नहीं कर पाई है. सिकंदर को दर्शकों को अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला है. जबकि सिकंदर को आमिर खान के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म गजनी बना चुके डायरेक्टर एआर मुरुगदास ने बनाया है.

पूरी तरह बीस्ट मोड में नजर आईं राशि खन्ना

हाल ही में अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना पूरी तरह बीस्ट मोड में नजर आईं, जहां वह वेट लिफ्टिंग, एगिलिटी ड्रिल्स और दमदार वर्कआउट करती दिखीं। लेकिन जो चीज़ उनकी फिटनेस रूटीन को सबसे खास बनाती है, वह है उनकी ऊर्जा और चुलबुला अंदाज।

एक्सरसाइज़ के बीच-बीच में वह अपने ट्रेनर के साथ मजेदार पल भी शेयर कर रही हैं, यह साबित करते हुए कि मेहनत और मस्ती एक साथ की जा सकती हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, एवरी डे, आई शो अप। एवरी डे, आई कम्प्लेन। एवरी डे, आई सर्वाइव। रिलेटेबल? उनकी इस झलक को फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। लोग उनकी मेहनत और पॉजिटिव एनर्जी की तारीफ कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म द साबरमती रिपोर्ट में अपने दमदार किरदार से दर्शकों का दिल जीतने वाली राशि इंडस्ट्री की सबसे प्रतिभाशाली कलाकारों में गिनी जाती हैं। राशि ने इस साल कई रोमांचक प्रोजेक्ट्स की ओर इशारा किया है, हालांकि अभी तक इनकी ज्यादा डिटेल्स सामने नहीं आई हैं। इसके अलावा, उन्हें एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस में स्पॉट किया गया, जिससे उनके अगले प्रोजेक्ट को लेकर फैंस की एक्साइटमेंट और भी बढ़ गई है। फिटनेस, मस्ती और प्रोफेशनल सफलता को बैलेंस करते हुए राशि लगातार साबित कर रही हैं कि वह इंडस्ट्री की सबसे शानदार और दमदार

कलाकारों में से एक हैं! बता दें कि राशि खन्ना अपने फिटनेस रूटीन को एक नया रूप देकर इसे और मजेदार बना रही हैं। लगातार अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने वाली राशि इन दिनों जिम में जबरदस्त मेहनत कर रही हैं, लेकिन उनके वर्कआउट सेशन्स में सिर्फ इंटेंस एक्सरसाइज़ ही नहीं, बल्कि ढेर सारी मस्ती और जोश भी शामिल है।

फैशन आकर्षक के साथ कंफर्टेबल भी होना चाहिए : नुपुर सेनन

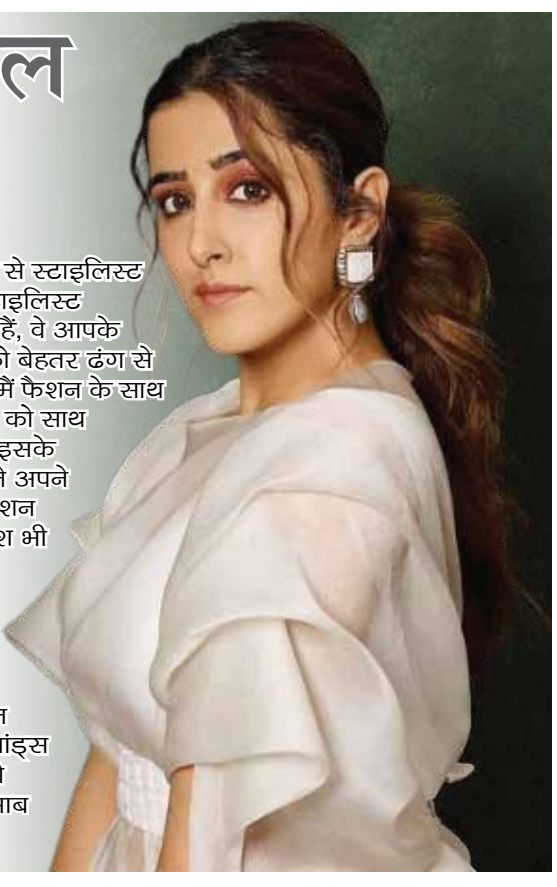

गायिका और अभिनेत्री नूपुर सेनन लैक्मे फैशन वीक 2025 में शामिल हुईं। उन्होंने बताया कि गर्मियों के मौसम में खुद को कूल कैसे रखें। इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं को फैशन के बारे में टिप्स भी दिए। अभिनेत्री ने बताया, मुंबई में गर्मियों में आइसक्रीम की जरूरत होती है। तो निश्चित रूप से मैग्नम आइसक्रीम आपको खाना चाहिए। मुझे लगता है कि गर्मियों में आप भले ही पसीना बहाएं, मगर नियमित वर्कआउट करते हैं और उसके साथ अपने मौज-मस्ती को भी जारी रखते हैं, तो भले ही गर्मी है, आप उस समय मैग्नम ब्लॉसम खा सकते हैं और खुद को कूल भी रख सकते हैं। मनपसंद आइसक्रीम का खुलासा करने के बाद, अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें मुंबई का कौन सा स्ट्रीट फूड पसंद है। उन्होंने कहा, मैं मुंबई में रहती हूं और मुझे मुंबई का बॉम्बे सैंडविच सबसे ज्यादा पसंद है, जिसमें आलू और कुछ चटनी होती है। अभिनेत्री ने अपने खुद के क्लॉथ ब्रांड के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा, मेरे पास अपना खुद का कपड़ों का ब्रांड है, जिसका नाम लेबल नोवो है। कोई भी स्टार्टअप कंपनी मुझसे जुड़ सकती है। अभिनेत्री ने फैशन के बारे में भी अपने विचार रखे। उन्होंने बताया, मेरा विचार फैशन को लेकर स्पष्ट है, जो हमेशा आपको फैशनेबल के साथ आकर्षक भी बनाए, लेकिन वह कंफर्टेबल भी होना चाहिए। मैं अपने फैशन के जरिए हर महिला को और भी ऑप्शन देना चाहती हूं। किसी खास इवेंट के लिए पहनावा और स्टाइल के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, मैं अपने फैशन को पूरी तरह से स्टाइलिस्ट पर नहीं छोड़ती। स्टाइलिस्ट आपकी मदद करते हैं, वे आपके फिगर स्टाइलिंग को बेहतर ढंग से समझते हैं, लेकिन मैं फैशन के साथ कंफर्ट और स्टाइल को साथ में लेकर चलती हूं। इसके साथ ही, अभिनेत्री ने अपने प्रशंसकों के लिए फैशन को लेकर एक संदेश भी दिया। उन्होंने कहा, आप जैसे हैं, वैसे ही रहें। किसी को भी अपने फैशन को एक प्रकार के रूप में परिभाषित न करने दें और उन ब्रांड्स से खरीदारी करें जो आपको आपके हिसाब से फैशन में ढाल सकें।

PM Modi inaugurates India first vertical lift sea bridge in Tamil Nadu

Agency: Prime Minister Narendra Modi inaugurated India's first vertical lift sea bridge in Tamil Nadu's Rameswaram today on the occasion of Ram Navami. The rail bridge, known as Pamban, has been built at a cost of Rs 550 crore. Union Minister Ashwini Vaishnaw was seen with PM Modi at the inauguration while Tamil Nadu Chief Minister MK Stalin was missing from the scene. PM Modi inaugurated the Pamban Bridge after concluding his three-day trip to Sri Lanka. The Prime Minister posted on his X account about witnessing Ram Setu at the same time as the Surya Tilak was taking place in Ayodhya on the occasion of Ram Navami, calling it a "divine coincidence." Rooted in mythology, the bridge holds deep spiritual significance, as the Ramayana recounts the construction of Ram Setu beginning from Dhanushkodi, near Rameswaram. Connecting Rameswaram to mainland India, the bridge has been built at a cost of Rs 550 crore. The 2.08-km-long structure features 99 spans and a 72.5-metre vertical lift span that elevates to 17 metres, enabling the smooth passage of large ships without disrupting train services. Designed to be future-ready, the bridge incorporates stainless steel reinforcements, high-grade protective paint, and fully welded joints for enhanced durability and reduced maintenance. It is also equipped for dual rail tracks, anticipating

future traffic needs. A special polysiloxane coating guards it against corrosion, ensuring a long service life in the challenging marine environment. The original Pamban Bridge, constructed in 1914 by British engineers, was a cantilever structure featuring a Scherzer Rolling Lift span. For over a century, it served as a crucial link for pilgrims, tourists, and traders travelling to and from Rameswaram Island. In 2019, the Indian government approved the construction of a modern replacement. Executed by Rail Vikas Nigam Limited (RVNL), a Navratna PSU under the Ministry of Railways, the project navigated significant challenges—from environmental constraints and logistical hurdles to the rough waters and strong winds of the Palk Strait

Rahul Gandhi's church land claim draws Rajeev Chandrasekhar's ire

Agency: Clarifying that "owning land is not a crime," Kerala BJP chief and former Union Minister Rajeev Chandrasekhar on Sunday tore into the Leader of Opposition in the Lok Sabha, Rahul Gandhi, after the Congress leader - citing a media report - claimed that following the passage of the Waqf Bill, the RSS, BJP's ideological parent, is now eyeing land owned by the Catholic Church. Referring to the now-deleted piece cited in the article titled "Who has more land in India? The Catholic Church vs Waqf Board debate", published by RSS's mouthpiece, Organiser, Chandrashekhar took to X and acknowledged that the article was "inaccurate". The RSS-linked magazine's article, claiming the Catholic Church to be "the largest non-governmental land owner" in India, was soon pulled down after it faced backlash from several opposition leaders, including Gandhi and Kerala Chief Minister Pinarayi, Vijayan. Sharpening his

attack over Rahul Gandhi's tweet, Chandrashekhar, in a scathing post, wrote: "Owning land is not a crime just as vast amounts of land is owned by Railways, Army, Plantation owners etc. However grabbing it from people as Cong leaders in Karnataka do and Waqf tried to do is wrong." Defending the newly-enacted Waqf law, Chandrashekhar said: "PM @ narendramodi jis Waqf amendment act, restores the rights of property and appeal to ALL Indians AND ensures that Waqf land is used for the benefit of poor Muslims not rich Cong builder/politicians." Latching on to the row over the Organiser piece, Rahul Gandhi on Saturday took to X and wrote: "I had said that the Waqf Bill attacks Muslims now but sets a precedent to target other communities in the future. It didn't take long for the RSS to turn its attention to Christians. The Constitution is the only shield that protects our people from such attacks - and it is our collective duty to defend it." In response to the Waqf's criticism, Chandrashekhar said that the amended law seeks to undo the injustice Congress had committed in 2013, when the Waqf law was last amended, because of its "shameless appeasement politics." "Every point made by each and every Cong MP during the Waqf debate about the constitution was a total lie - including that Art 25,13,14 will be violated by this act. LIES, LIES AND more shameless Lies," he went on. The BJP state unit president further warned that if the Congress MPs "were not protected by Parliamentary privilege, they would be prosecuted for lies and spreading communal poison."

Bride-to-be, 24, dies after fall from roller coaster at Delhi amusement park

Agency: A 24-year-old woman died after falling from a roller coaster swing at an amusement park in Delhi on Wednesday, police said. Priyanka, a sales manager from Chanakyapuri, was at Fun and Food Village near the Kapashera border with her future husband, Nikhil, on Wednesday afternoon, according to police. The couple had been enjoying water rides before moving to the amusement park section of the facility.

"During the roller-coaster ride, when the swing reached its peak, the stand broke, and Priyanka fell straight down," a police official said. Priyanka suffered severe injuries and was taken to a nearby hospital, where she was pronounced dead. Nikhil then informed Priyanka's family and

police. Police registered a case based on Nikhil's statement and began an investigation. Priyanka's body was handed over to her family after a post-mortem examination. Priyanka's brother, Mohit, alleged negligence on the part of the water park. He claimed there were inadequate safety measures and that his sister was taken to the hospital too late. "After Priyanka fell, she was taken to the hospital late, due to which she lost her life," Mohit said. He also alleged that a section of the park, including the roller coaster, was closed for repairs after the incident.

"If the swings in the amusement park needed repairs, then why were they opened? In such a situation, they [the park authorities] are playing with people's lives," he said. Priyanka and Nikhil were engaged in February 2025. Police said the investigation is ongoing. The amusement park is yet to issue a statement on the accident

UK Prime Minister to declare end of globalisation amid Trump's trade war: Report

Agency: Following US President Donald Trump's protectionist measures - such as tariffs and the 'America First' policy - UK Prime Minister Keir Starmer is scheduled to make an address on Monday, declaring that the era of globalisation is over. The UK Prime Minister is all set to announce that globalisation - which began with the fall of the Soviet Union in 1991 - has caused disappointment to millions of voters as Trump's unprecedented 10 per cent "baseline" tariffs slipped the global markets into uncertainty, the Times reported. According to a report by the Times, Starmer is also expected to acknowledge that he understands his US counterpart's focus on economic nationalism. Citing a senior UK official, the outlet reported that while the Starmer administration does not agree with Trump's extreme measures, it admits that a new era has begun - one in which many support the US President's approach. "Globalisation doesn't work for a lot of working people. We don't believe trade wars are the answer. This is a chance to show that there's a different path," Starmer said, as reported by the Times. As Trump moves to remove trade barriers, Starmer, according to The Times, has acknowledged that with increased competition as a result, countries will look inward to boost productivity and ramp up domestic production through supply-side reforms. Aligning with Starmer's outlook, HSBC chief Sir Mark Tucker echoed a similar sentiment, saying that globalisation "may have now run its course." Addressing the bank's global investment

summit in Hong Kong last month, Sir Tucker predicted that amid rising global tensions and Trump's aggressive trade policies, the world is likely to split into smaller regional blocs or clusters where strong trade ties may emerge, The Financial Times reported. Declaring a national emergency, Trump, on April 2, announced "reciprocal" tariffs on countries which slap a higher levy on US imports and a 10 per cent baseline tariff. "To all of the foreign presidents, prime ministers, kings, queens, ambassadors and everyone else who will soon be calling to ask for exemptions from these tariffs, I say, 'Terminate your own tariffs, drop your barriers,'" Trump said. "April 2, 2025, will forever be remembered as the day American industry was reborn, the day America's destiny was reclaimed, and the day that we began to make America wealthy again," Trump went on. Even as the EU responded with retaliatory tariffs, the UK adopted a "pragmatic approach" and got off lightly, facing only a 10 per cent baseline tariff.

'Roaring' row over party in Ranthambore tiger haven

Agency: In a blatant violation of environmental norms and National Tiger Conservation Authority (NTCA) guidelines, Rajasthan forest department allegedly permitted a private event inside Ranthambore Fort, which lies within the Critical Tiger Habitat of Ranthambhore Tiger Reserve, immediately after sunset on Friday. Over 10 vehicles, including those fitted with loud music systems, carried influential individuals into the fort for the celebration. This came to light when state agriculture minister Kirori Lal Meena reached the spot after receiving information about the gathering. In an area where tigers frequently roam, the presence of vehicles after sunset raised serious concerns. Meena has written to Union forest minister Bhupendra Yadav for a probe. Outraged by the perceived mismanagement, Meena staged a protest at the fort gate. Senior forest and district officials rushed to the site. The minister confronted them, accusing them of colluding with influential individuals and disregarding rules. "Local villagers are subject to strict restrictions, while influential people manage to flout regulations with impunity. On the same day, forest personnel denied a local resident permission to offer a card to Lord Ganesh as a ritual at 4.30pm, well before sunset, citing forest rules," Meena told TOI. The fort has a Ganesh temple and the minister was referring to it when drawing the comparison. A senior official confirmed the episode. "Seven vehicles were seized and FIRs were

FLOUTING NORMS WITH IMPUNITY

- Cabinet minister and Sawai Madhopur MLA Kirori Lal Meena urged Union environment minister Bhupendra Yadav to take strict action against a high-profile birthday celebration inside the core zone of Ranthambore Tiger Reserve
- Meena's decision to bypass Rajasthan govt and escalate issue to the Centre highlights concerns over credibility of forest officials
- He alleged dozens of guests were allowed entry into a restricted area under the supervision of divisional forest officer, Romanand Bhakar, and assistant conservator of forests, Mahesh Sharma
- Event violates Supreme Court and NTCS guidelines
- It has prompted Meena to call for disciplinary action against officials involved and NTCA-led high-level probe

registered against several individuals involved," the official said. In his letter to Union minister Yadav, Meena pushed for an NTCA probe and strict action against the officials who allowed the private event. "The concern deepens in light of incidents reported in Feb 2025 from Maharashtra, where poaching

networks were found to be active again. Poaching is an organised crime that rapidly spreads across states. Allowing unauthorised entry into a protected area poses a grave threat to conservation efforts," Meena wrote. Chief conservator of forests (Wildlife) and Ranthambhore field director Anup KR was unavailable for comment.

Police continue crackdown on criminals in Sec 25, Maloya

Agency: Continuing crackdown on persons with criminal past and suspects, the UT police carried out another cordon and search operation (CASO) in Sector 25 colony and Maloya this morning. Today's operations saw a massive police deployment with over 45 personnel conducting the drive in Maloya at 5:30 am. The teams rounded up 72 suspicious individuals, including bad characters, prisoners recently released and strangers in Maloya between 5:30 and 8:30 am. A thorough search was conducted of suspected vehicles and persons. A total of 40 vehicles were checked and two challans were issued for traffic violations. After verification at the Maloya Police Station, 27 were released. Preventive action was taken for three suspects under Section 129 of the Bharatiya Nagarik Suraksha Sanhita (BNSS) and seven jail released/repeat offenders were booked under Section 129/170. Three nakas were set up at the entry points of Sector 25 Colony and checking was carried out throughout the day.

Jacqueline Fernandez's mother dies due to health complications

Agency: Jacqueline Fernandez's mother, Kim Fernandez, died on Sunday after being hospitalised at Lilavati Hospital for several days. The actor's mother suffered a stroke on March 24. Jacqueline had even skipped her scheduled performance at the Indian Premier League's opening ceremony in Guwahati last month to remain by her mother's side. The actor and her father were present at the hospital during her mother's final moments. Kim Fernandez, of mixed Malaysian and Canadian heritage, worked as an air hostess in Bahrain during the 1980s. It was there that she met Elroy Fernandez, a Sri

Lankan Burgher who had moved to Bahrain to escape the civil conflict between the Sinhalese and Tamil communities in Sri Lanka. The couple went on to have four children, with Jacqueline - born in 1985 - being the youngest, alongside her two brothers and a sister. A statement from Jacqueline's team is expected to be released soon

Jasprit Bumrah joins Mumbai Indians squad

Agency: In a major development that has sent waves of excitement through the Mumbai Indians fanbase, star pacer Jasprit Bumrah has officially joined the franchise's squad ahead of their upcoming IPL 2025 fixture. The five-time champions announced the news on Sunday via their social media platforms, sharing an electrifying video with the caption: "Ready to Roar." Bumrah's much-anticipated return comes after a period of rehabilitation at the BCCI's Centre of Excellence (CoE). The ace speedster had not featured in any of Mumbai's matches this season, leaving fans anxiously awaiting updates. Speaking at the toss ahead of MI's game against Lucknow Super Giants

on Friday, skipper Hardik Pandya had hinted at the possibility of Bumrah's return, saying, "Jasprit should be back soon." That promise has now materialised. Bumrah's comeback is a massive relief for Mumbai Indians, who have struggled to find their groove in IPL 2025. His presence not only bolsters the bowling attack but also brings leadership and composure in crunch situations. With MI yet to hit peak form this season, Bumrah's arrival could be the turning point. Known for his lethal yorkers, calm under pressure, and game-changing spells, the 31-year-old pacer will be crucial in MI's quest to climb the points table. In their next fixture, MI host Royal Challengers Bengaluru at the Wankhede stadium on Monday.

UGC notifies regulations to assess foreign degrees

Agency: The University Grants Commission (UGC) has notified a new set of regulations for equivalence of qualifications earned in foreign institutions. It has developed a technology-driven mechanism for recognising foreign qualifications from schools and higher education institutes. There was concern among a number of Indian students returning from abroad with international degrees, often facing delays and uncertainty in getting their degrees recognised either for admission to Indian institutions or for employment. A qualification from a foreign educational institution will be recognised for grant of equivalence certificate provided the institution is recognised under the relevant laws in its home country. The candidate must have pursued the programme of study as per the norms and standards specified by the institution and the entry level requirements for admission to such programmes must be similar to that of a corresponding programme in India.

The standing committee will decide on the requirements for grant of equivalence on parameters such as credits, thesis, dissertation, hands-on experiential learning and internship requirement, among others. UGC chairman M Jagadesh Kumar said, "Many students return with international qualifications to seamlessly integrate into India's higher education system or workforce. Such students need a structured procedure to evaluate foreign credentials without unpredictable delays and procedural ambiguity." He said that acknowledging this challenge, the UGC had decided to establish a standardised equivalence framework by bringing in a new regulation. The provisions for granting equivalence certificates to foreign qualifications will not apply to professional degrees awarded in disciplines such as medicine, pharmacy, nursing, law, architecture and other fields that fall under the jurisdiction of statutory regulatory councils in India.